मनेन्द्रगढ़
08 अप्रैल 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में रूञ्ज के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

बॉर्डर पार हैंडलर्स के संपर्क में थे तीन मददगार : अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

हिमाचल में बारिश से कई जगह लैंडस्लाइड, कुल्लू में कार पर गिरे पत्थर

चंबा में पुल टूटा, लाहौल में वाहन पर चट्टान गिरने से दंपती घायल

कुल्लू, चंबा, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह से हो रही बारिश से जगह-जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं पेश आ रही है। कुल्लू के बरशैणी में बीती रात को एक चलती कार पर पहाड़ी से मलबा आ गया। इससे कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

वहीं चंबा के भरमौर में आज सुबह पहाड़ी गिरने से निर्माणाधीन सिंयूर पुल क्षतिग्रस्त हो गया। लाहौल स्पीति के मोसूमा थेतुप कुरकुर में सोमवार दोपहर बाद पहाड़ी से गिरे बड़े पत्थर से पश्चिम बंगाल का दंपती घायल हो गया।

चंबा में सिंयूर पुल रावी नदी में समाया : वहीं चंबा में आज सुबह आठ भरमौर और होली क्षेत्र को जोड़ने वाला निर्माणाधीन सिंयूर पुल रावी नदी में समा गया। इसके बाद क्षेत्र के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा चूक, आरोपी 5 दिन से लापता था

परिवार से एक बार बात की, लेकिन लोकेशन नहीं बताई; किसान आंदोलन का समर्थक रह चुका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सुरक्षा उल्लंघन करने वाले आरोपी सरबजीत सिंह (37 साल) को लेकर कई खुलासे हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह 1 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में अपने घर से निकला था। करीब 5 दिन तक उसका कोई पता नहीं था। इस दौरान उसने परिवार से एक बार संपर्क किया, लेकिन अपनी लोकेशन के बारे में कुछ नहीं बताया। सूत्रों के मुताबिक वह 2 अप्रैल को बरेली गया और फिर 6 अप्रैल को दिल्ली पहुंचा था। दोपहर करीब 2.10 बजे सफेद एसयूवी लेकर विधानसभा के गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसा था।

उसने पोर्च में खड़ी स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की गाड़ी पर गुलदस्ता और माला रखकर फरार हो गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी 2020-21 के किसान आंदोलन का समर्थक रहा है। उसने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में कई पोस्ट हटा दिए।

आरोपी ने इसी साल फरवरी में खरीदी एसयूवी कार : पुलिस ने बताया कि आरोपी तेज रफ्तार में कार लेकर जबरन घुसा और सुरक्षाकर्मियों को कुचलने की कोशिश की। आरोपी जिस गाड़ी से आया था, उसे इसी साल फरवरी में खरीदी थी। पुलिस उन वीडियो की भी जांच कर रही है, जिनमें वह 150 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार से कार चलाता दिख रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अभी तक विधानसभा में घुसने का अपना मकसद नहीं बताया है। उसके कॉल रिकॉर्ड, मूवमेंट और डिजिटल गतिविधियों की जांच की जा रही है। इससे यह पता चलेगा कि उसने सबकुछ खुद किया या किसी के कहने पर किया।

परिवार बोला- सरबजीत मानसिक रूप से बीमार

घटना के समय सदन की कार्यवाही नहीं चल रही थी। कार में आरोपी अकेले ही था। उसने चेहरा ढका हुआ था। मौके से फरार होने के करीब दो घंटे बाद पुलिस ने उसे रूप नगर इलाके से दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया।

सरकार बोली-सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत

जस्टिस नागरत्ना बोलीं : महिला को महीने के 3 दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन की सुनवाई की। केंद्र ने कहा- सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था। उसे गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए। मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक बरकरार रखी जाए। धार्मिक आस्था के मामले में अदालत को दखल नहीं करना चाहिए।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा इस मामले में 'अनुच्छेद 17' दलील पर किस तरह पेश किया जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को 'अछूत' माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई 'अछूतपन' न रह जाए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है।

SG मेहता बोले- सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था: SG मेहता ने कहा कि मैं अभी सबरीमाला मामले पर कोई बात नहीं कर रहा हूं। फिलहाल, आप सभी कानून से जुड़े सवालों की जांच कर रहे हैं। इसलिए अभी इस चर्चा को 'सुई जेनेरिस' (सुई जेनेरिस- अद्वितीय/विशेष प्रकृति) जैसे मामलों से प्रभावित होने देना सही नहीं होगा, हालांकि मेरा यह मानना है कि सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था और उसे एक गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ समाज के निर्माण का किया आह्वान

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे सभी व्यक्तियों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की, जो दूसरों की सेवा में अथक परिश्रम करते हैं और एक स्वस्थ ग्रह की दिशा में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के लिए स्वस्थ नागरिकों का होना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने सभी से इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और कहा कि देश को स्वस्थ बनाने के लिए हर स्तर पर निरंतर काम करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स संदेश में नागरिकों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य

को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक व्यायाम के महत्व को दर्शाने वाला एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया- 'लघुं कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामदुपजायते॥' प्रधानमंत्री मोदी ने इस श्लोक के माध्यम से बताया कि नियमित व्यायाम से कार्यक्षमता बढ़ती है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, मोटापा कम होता है और शरीर मजबूत व सुडौल बनता है।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण- नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने देशभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। मंगलवार को एक्स पर साझा किए अपने संदेश में नड्डा ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण है, जो न केवल देश बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना जैसी पहल ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए इलाज को अधिक सुलभ और किफायती बनाया है।

मणिपुर- बम हमले में 2 बच्चों की मौत, मां घायल

घटना के विरोध में प्रदर्शन, पुलिस चौकी तोड़ी, दो ऑयल टैंकरों में आग लगाई

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में कुछ उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब दो बच्चे और उनकी मां अपने बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है।

स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर

जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। हालात को कंट्रोल करने के लिए इलाके में सिक्योरिटी फोर्स तैनात कर दी गई है।

सीएम ने घायल महिला से मुलाकात की: मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे।

तमिलनाडु में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

6 साल पहले बाप-बेटे की हिरासत में मौत हुई थी, कोविड लॉकडाउन में दुकान खोली थी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की मदुरै सेशन कोर्ट ने सोमवार को सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया। कहा कि अत्यधिक बर्बरता और सत्ता के दुरुपयोग का मामला है।

कोर्ट ने सभी दोषियों को मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 40 लाख रुपए मुआवजा देने को

कहा। यह मामला 2020 का है। छह साल तक सुनवाई चली। इस मामले में कुल 10 आरोपी थे। एक की कोविड के दौरान मौत हो गई। दरअसल, 19 जून 2020 को पुलिस ने मोबाइल कारोबारी पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) को हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखी थी।

बंगाल में एसआईआर पर रार : सीएम ममता का आरोप- मतदाता सूची से विशेष समुदाय के लोगों के नाम कटे, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नदिया जिले के चकदहा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची से विशेष समुदायों के लोगों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। ममता ने स्पष्ट किया कि टीएमसी ऐसे सभी लोगों के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए ट्रिब्यूनल में केस लड़ा जाएगा। **91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए** :ताजा चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया के बाद राज्य में करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में उनके हस्तक्षेप के बाद न्यायिक निर्णय के तहत लंबित लगभग 60 लाख मामलों में से 32 लाख नाम बहाल किए गए हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

राजनाथ सिंह की पाक को ललकार : '55 साल पुराना अंजाम मत भूलो, बंगाल पर नजर उठाई तो खुदा जाने कितने टुकड़े होंगे'

बैरकपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे।

16500 करोड़ के सरकारी ठेके, बहुजन समाज को कितना हिस्सा?' राहुल बोले- सरकार के पास डाटा ही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के उद्यमियों की हिस्सेदारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास इस बात का कोई डाटा ही नहीं है कि इन वर्गों को कितने ठेके दिए गए। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए कहा कि उन्होंने पिछले साल दिए गए 16,500 करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में एससी/एसटी और हृब्ष्ट उद्यमियों की भागीदारी का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन जवाब बेहद चिंताजनक था। उन्होंने कहा कि सरकार के पास इस संबंध में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में अतारांकित प्रश्न संख्या 6264 के तहत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से पिछले पांच वर्षों में दिए गए ठेकों की संख्या और कुल मूल्य की जानकारी मांगी थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा था कि इनमें से कितने ठेके एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए और क्या सरकार ने एससी/एसटी उद्यमों के लिए तय 4 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया है। उन्होंने ओबीसी उद्यमियों के लिए भी ऐसे लक्ष्य तय करने की योजना पर सवाल उठाया। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि कुल ठेकों का डेटा तो उपलब्ध है, लेकिन एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए ठेकों का कोई अलग ट्रैकिंग सिस्टम मौजूद नहीं है।

भाजपा की रैली में गरजे अमित शाह,

कहा- असम की बराक घाटी में कांग्रेस ने घुसपैठियों को शरण दी

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के श्रीभूमि जिले के पाथरकांडी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने की अपील की। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा, साफ सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देंगे। उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी की उपेक्षा की, उसके विकास के लिए कुछ नहीं किया। भाजपा सरकार ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है

गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनाइए, हमने घुसपैठियों की पहचान कर ली है। अब समय आ गया है कि उन्हें एक-एक कर बाहर किया जाए। शाह ने यह भी कहा कि अगर असम, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में भाजपा-एनडीए की सरकारें बनती हैं तो घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सकेगी।

करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प : सांस्कृतिक मुद्दों पर बात करते हुए शाह ने कहा कि केवल भाजपा में करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सत्ता हासिल करने के लिए घुसपैठियों पर निर्भर रहती है।

वृंदावन में मोहन भागवत बोले-

गौसेवक बनाओ, गौहत्या रूक जाएगी

संत मलूक दास के जयंती उत्सव में शामिल हुए, संतों के पैर छुए

मथुरा, एजेंसी। संत मलूक दास की आज 452वीं जयंती है। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसमें ऋस्र् प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। योग गुरु बाबा रामदेव भी संत मलूक दास की जयंती में पहुंचे। उन्होंने संत की समाधि के दर्शन-पूजन किए।

इस दौरान उन्होंने कहा- समाज में गौभक्त बनाया जाए तो गौहत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है। वे करना भी चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं।

कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया। यहां उन्होंने यमुना किनारे वंशीवट पर अपनी कुटिया बनाई, जिसे मलूक पीठ के नाम से जाना जाता है। संत का गोलोक गमन (मृत्यु) वृंदावन में हुआ, जहां उनकी समाधि बनी हुई है।

भारत अब बनेगा विश्न गुरू

उन्होंने कहा कि हमारे यहां व्यक्ति और समाज में ऐसा परिवर्तन आना चाहिए, जिसके लिए जरूरी उदाहरण संतों की मंडली हमारे पास मौजूद है। अब समय आ गया है जब भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराएगा।

समाज जैसा बनेगा, वैसा ही देश बनेगा

उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी। समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास संतों की समृद्ध परंपरा मौजूद है और हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 12 किए गिरफ्तार; बेचते थे फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने गुरु अर्जुन नगर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इस सेंटर के जरिए आरोपी लोग 'आरडी सर्विसेस' नाम से फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर लोगों से ठगी की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, 4 अप्रैल को रणजीत नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गुरु अर्जुन नगर स्थित रतन लाल कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की गई थी। इस दौरान दो मालिकों समेत 10 टेली-कॉलर्स को गिरफ्तार किया गया था। कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस सेंटर के प्रोपराइटर पांडव नगर निवासी सौरभ (28 वर्ष) और शादीपुर निवासी शाहनवाज (28 वर्ष) हैं।

पकड़े गए टेली-कॉलर्स : अंजलि (25), बालजीत नगर काशिश (21), न्यू रणजीत नगर रजनी (20), सकुरबस्ती गनमान (21), रणजीत पूजा (30), प्रेम नगर कविता (26), बालजीत नगर मंजू (20), बालजीत नगर रक्षा (22), इंदरलोक इमरान (20), इंदरलोक अनु (29), करोल बाग

ठगी का तरीका: आरोपी लोगों को फोन पर कॉल करके बताते थे कि उनके वाहन में कहीं भी पंचर, ब्रेकडाउन या किसी भी इमरजेंसी में तुरंत मदद मिलेगी। विश्वास दिलाने के लिए कैश ऑन डिलीवरी (ष्टह्लष्ठ) का ऑफर देते और तीन से चार हजार रुपये में प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड घर पर डिलीवर करने का वादा करते। लेकिन पैसे लेने के बाद हेल्पलाइन नंबर (कीपैड मोबाइल) पर कॉल करने पर कोई जवाब नहीं मिलता और न ही कोई सहायता दी जाती।यह फर्जी सेंटर पिछले 6 महीने से सक्रिय था। आरोपी लोगों के पास न तो कोई लाइसेंस था और न ही वैध रजिस्ट्रेशन।

कॉलिंग के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन: सभी आरोपी और बरामद सामान को रणजीत नगर पुलिस को सौंप दिया गया है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि पूछताछ में आरोपी और भी महत्वपूर्ण खुलासे कर सकते हैं। इस तरह की फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस स्कीम से आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गुरुग्राम से अगवा पति और दो बच्चों का 300 किमी दूर बरेली में सुराग, मां को 48 घंटे बाद मिले कलेजे के टुकड़े

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के नाथूपुर में रहने वाली एक महिला के ऑटो चालक पति और दोनों बच्चे अपहृत होने के 48 घंटे बाद तीन सौ किलोमीटर दूर बरेली में आखिरकार मिल गए। बच्चे शनिवार शाम को पिता के साथ घर से सिकंदरपुर पहाड़ी हनुमान मंदिर गए थे, इस दौरान उन्हें अगवा कर लिया गया। सोमवार दोपहर जब महिला को बच्चे मिलने की जानकारी मिली तो वह तुरंत बरेली के लिए रवाना हो गई। बच्चे बरेली के अस्पताल में भर्ती हैं। दो दिन रोने और बिलखने के बाद जैसे ही कलेजे के टुकड़ों को मां ने देखा तो उन्हें गले लगा लिया और खुशी के आंसू बहने लगे। मूल रूप से बरेली के टांडा सिकंदरपुर गांव की रहने वाली पूजा ने शनिवार रात डीएलएफ फेस एक थाना पुलिस को पति मनोज और दो बच्चों मयूर व लक्ष्य के अपहरण होने की शिकायत दी थी। बताया था कि वह आठ सालों से परिवार के साथ नाथूपुर एस ब्लॉक में रह रही हैं। पति मनोज कुमार ओला-उबर में ऑटो चलाते हैं।

नहीं लग पा रहा था कोई सुराग: दो दिन पहले एक अंजान व्यक्ति मनोज कुमार से मिला। जिसने प्रतिदिन सुबह-शाम एस ब्लॉक से सिकंदरपुर पहाड़ी के पास हनुमान मंदिर चलने के लिए तय किया। शनिवार शाम जब व्यक्ति ने मंदिर चलने के लिए फोन किया तो मनोज अपने साथ दो बेटों को भी ले गए। इसके बाद तीनों लापता हो गए। इसके बाद महिला बच्चों और पति को पुलिस की मदद से ढूढ़ रही थीं, लेकिन कोई पता नहीं चल रहा था। पति और बच्चों के इस तरह लापता होने के बाद उनके आंसू थम नहीं रहे थे। उन्हें सूझ नहीं रहा था कि वह क्या करें। सोमवार शाम दैनिक जागरण से फोन पर बातचीत में पूजा ने बताया गुरुग्राम पुलिस से उन्हें पति और बच्चों के टांडा सिकंदरपुर गांव में होने की जानकारी मिली थी। इस पर फौरन वह बरेली चली गईं। यहां एक हादसे में बच्चे घायल हो गए थे। अस्पताल में बच्चे मिले। बच्चों से मिलने के बाद अब जाकर सुकून मिला है। यह भी बताया कि पुलिस ने उनके पति को ढूढ़ लिया है। फिलहाल, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। डीएलएफ फेस एक थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस की एक टीम जांच में जुटी हुई थी। सीसीटीवी कैमरे व अन्य माध्यम से एक गाड़ी के बारे में पता चला था। इधर सोमवार अलसुबह बरेली पुलिस से बच्चों और ऑटो चालक की जानकारी मिली। पुलिस टीम को बरेली भेजा गया है। मनोज से घटना को लेकर पूरी जानकारी की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में जलभराव रोकने को खर्च होंगे 23.70 करोड़, एक महीने में पूरी होगी सीवर और नाले की सफाई

फरीदाबाद, एजेंसी। बारिश से होने वाले जलभराव से निपटने को लेकर नगर निगम 23.70 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसको लेकर निगम ने बजट तैयार कर लिया है। एक माह के भीतर सीवर और नाले की सफाई का काम पूरा करना होगा। निगम की इंजीनियरिंग ब्रांच के अनुसार नालों की सफाई को लेकर टेंडर लगा दिया गया है। औद्योगिक नगरी में 65 छोटे और बड़े नाले हैं। इसके साथ ही गौछी ड्रेन की सफाई को लेकर सबसे अधिक समय लगता है। मेयर और निगम आयुक्त खुद इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारियों से नालों की सफाई को लेकर प्रतिदिन रिपोर्ट ले रहे हैं। इसके साथ ही वर्षा पानी निकासी को लेकर एक करोड़ रुपये की लागत से अलग-अलग ड्रेन बनाई जाएगी। विभाग की ओर से शहर मे ऐसी 15 जगहों को चिन्हित किया गया। जहां पर ड्रेन बनाने की जरूरत है।

समस्याओं के दलदल में फंसा साइबर सिटी गुरुग्राम का विकास

गुरुग्राम, एजेंसी। नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत साइबर सिटी के ऊपर सटीक बैठती है। पूरी दुनिया में आइटी, आटोमोबाइल, टेलीकाम, गारमेंट एवं मेडिकल हब के रूप में पहचान है लेकिन न साफ-सफाई बेहतर और न ही सड़कें दुरुस्त। ट्रैफिक जाम से अधिकतर इलाके कराह रहे हैं। हल्की वर्षा होते ही शहर के अधिकतर इलाके तालाब बन जाते हैं। कारण, न समय पर नालों की सफाई की जाती है और न ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के रखरखाव के ऊपर ध्यान है। वर्षा होने पर ही प्रदूषण का स्तर गिरता है अन्यथा 250 से अधिक एक्यूआइ हमेशा रहता है। यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री हर महीने कम से कम चार से पांच बार शहर में होते हैं। समस्याओं पर सीधी नजर रखने एवं लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए हर जिले में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति का गठित है। जिले की समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं हैं। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी मुख्यमंत्री ही हैं। कष्ट निवारण समिति की बैठक से लेकर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, सड़कों की दयनीय हालत, जलभराव, ट्रैफिक जाम एवं प्रदूषण की समस्या पर निश्चित रूप से चर्चा की जाती है। इसके बाद भी सफाई व्यवस्था तक पटरी पर नहीं आ रही है। कई-कई दिनों तक सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। आसपास से निकलना मुश्किल हो जाता है। मौखिक से लेकर लिखित शिकायत तक लोग अधिकारियों से करते हैं लेकिन कोई असर नहीं। पिछले साल सितंबर के दौरान मुख्यमंत्री ने एक महीने के भीतर यानी अक्टूबर तक सड़कों के गड्ढे भरने के निर्देश दिए गए थे। पांच महीने बाद भी शहर की एक भी सड़क पूरी तरह दुरुस्त नहीं है। वर्षा होते ही गड्ढों में पानी भर जाता है। इससे हर पल हादसा होने की आशंका गहराने लगती है। हर साल मानसून के दौरान जलभराव की समस्या गंभीर हो जाती है। इसके बाद भी अभी तक नालों की सफाई के ऊपर ध्यान नहीं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री के हेलीकाप्टर की लैंडिंग हीरो होंडा चौक के कुछ दूरी पर संचालित डीपीजी डिग्री कालेज के परिसर में हुई थी।कालेज परिसर तक जाने का एक रास्ता मार्बल मार्केट से होकर है। रास्ते की हालत ऐसी है कि जैसे पहले कभी बनी ही नहीं। उसी रास्ते से मुख्यमंत्री का काफिला निकल गया। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री का काफिला निकलने के बाद रास्ते की तस्वीर बदल जाएगी लेकिन स्थिति जस की तस। हजारों विद्यार्थी उसी जर्जर रास्ते से होकर कालेज में पहुंचते हैं। पूरे दिन धूल का गुबार बना रहता है।

औद्योगिक क्षेत्रों की भी सुध नहीं: साइबर सिटी की पहचान पूरी दुनिया में औद्योगिक विकास की वजह है लेकिन औद्योगिक क्षेत्रों की भी सुध नहीं। उद्योग विहार जैसे औद्योगिक क्षेत्र में एक भी पार्किंग स्थल नहीं। कई सड़कों के किनारे जगह-जगह कूड़े के ढेर हैं। हल्की वर्षा होते ही अधिकतर इलाके तालाब बन जाते हैं। यही हाल सेक्टर-37, सेक्टर-34, कादीपुर, बसई, दौलताबाद एवं बेगमपुर खटोला औद्योगिक क्षेत्र की है। उद्यमी भी समस्याओं के समाधान की मांग करते-करते थक चुके हैं। सभी को उम्मीद थी कि जिले में मुख्यमंत्री की सक्रियता की वजह से तस्वीर तेजी से बदलेगी लेकिन ढाक के तीन पात। कई सालों से शहर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस जिला नागरिक अस्पताल एवं बस टर्मिनल बनाने की बात चल रही है। दोनों योजनाएं फाइलों से बाहर नहीं निकल रही हैं। जिला नागरिक अस्पताल की इमारत टूटे भी तीन साल से अधिक हो चुके हैं। अस्पताल न होने से लाखों लोग परेशान हैं। गांव सीही में बस टर्मिनल के लिए जमीन चिन्हित है। निर्माण कार्य कब शुरू होगा, कोई अता पता नहीं। निराश होकर लोगों ने दोनों के निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग भी लोगों ने उठाने बंद कर दिए हैं।

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र जैन स्वीकार करते हैं कि बैठकों में दिए गए निर्देशों के ऊपर गंभीरता से काम नहीं हो रहा है। उनका यह भी कहना है कि बैठक में कई शिकायतें ऐसी शामिल कर दी जाती हैं जो मुख्यमंत्री के स्तर का नहीं। मुख्यमंत्री को औचक निरीक्षण करना होगा, तब अधिकारियों के ऊपर दबाव बढ़ेगा। साइबर सिटी की एक भी सड़क ऐसी नहीं जो पूरी तरह दुरुस्त हो। अधिकारियों से उनकी उपलब्धि को लेकर सीधा सवाल होना चाहिए।

गाजियाबाद में ड्यूटी जाते समय महिला के पैर पर आवारा कुत्ते ने काटा, हुआ गहरा घाव

गाजियाबाद, एजेंसी। घर से ड्यूटी जाते समय चिपियान के रहने वाले लख्मीचंद की 45 वर्षीय पत्नी मंजू के पैर पर आवारा कुत्ते ने काट लिया। इससे पैर में गहरा घाव हो गया। तुरंत महिला को जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एंटी रेबीज वैक्सीन के अलावा एंटी रेबीज सीरम भी लगाया गया। इसके अलावा कैलाभट्ठा स्थित सादिक पुलिया के पास रहने वाले अशोक के सात वर्षीय बेटे मोहित पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। वह डरकर जमीन पर गिर गया। कुत्ते ने मोहित के सीधे पैर पर काटकर गहरा जख्म कर दिया। आसपास के लोगों ने कुत्ते को भगाया। मोहित को भी एआरवी के अलावा एआरएस लगाया गया है। पिछले 24 घंटे में शहर में आवारा कुत्ते, बंदर, बिल्ली और चूहे के काटने पर 612 लोगों ने अस्पताल पहुंचकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाई है। इनमें 78 बच्चे भी शामिल हैं।दोपहर दो बजे तक लोग एआरवी लगवाने को लाइन में खड़े रहे। एआरवी कक्ष के पास आवारा कुत्ता भी घूमता रहा। जिला एमएमजी अस्पताल, जिला संयुक्त अस्पताल और डूंडाहेडा संयुक्त अस्पताल में सोमवार को जानवरों के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली डोज लगवाने पहुंचे लोगों की संख्या 191रही। शेष ने दूसरी और तीसरी डोज लगवाई है। जानवरों के काटने पर घायल हुए नौ लोगों को इमरजेंसी में पहुंचने पर एआरवी के साथ ही एंटी रेबीज सीरम भी लगाया गया। इनमें पांच बच्चे शामिल हैं। इसके साथ ही जिला एमएमजी अस्पताल ,डूंडाहेडा अस्पताल और जिला संयुक्त अस्पताल में पांच दिन में एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली, दूसरी और तीसरी डोज लगवाने वालों की संख्या 2990 हो गई है। जिला एमएमजी अस्पताल में सोमवार को पहुंचे 277 में से पहली डोज लगवाने वाले 117 में 47 बच्चे शामिल रहे। 36 पुरूष,26 महिला और आठ बुजुर्गों ने भी एआरवी लगवाई। जिला संयुक्त अस्पताल में 242 में से पहली डोज लगवाने वाले 43 लोगों में 21 बच्चे शामिल रहे। संयुक्त अस्पताल की इमरजेंसी में भी दो लोगों को एंटी रेबीज सीरम लगाया गया।

80 साल की उम्र में फरीदाबाद के धर्मपाल ने पूरा किया नेशनल खेलने का सपना, बैडमिंटन में जीते 2 पदक

फरीदाबाद, एजेंसी। अनुशासन और जुनून की बदौलत 80 साल के धर्मपाल ने नेशनल बैडमिंटन प्रतियोगिता में एकल और डबल्स दोनों में भाग लेकर दो पदक जीत कर अपना सपना पूरा किया। गोवा में आयोजित प्रतियोगिता में धर्मपाल खटाना ने 80 से अधिक आयु वर्ग में हिस्सा लिया था, जिसमें एकल में कांस्य और युगल वर्ग में रजत पदक जीता। धर्मपाल एक अन्य साथी सतीश के साथ जोड़ी बना कर उतरे थे। धर्मपाल खटाना उम्र के इस पायदान पर भी पूरी तरह से फिट हैं और उनकी फिटनेस से युवा भी मात खा जाएंगे। जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव संजय सपरा ने बताया कि पूरे टूर्नामेंट में धर्मपाल का प्रदर्शन पूरी तरह से शानदार रहा। नेशनल प्रतियोगिता में उनका सामना लीग मुकाबले में करीब 10 खिलाड़ियों से हुआ, लेकिन किसी भी मुकाबले में उनके चेहरे पर थकान नहीं दिखाई दी। वहीं, बैडमिंटन में अन्य खेलों की तुलना में शारीरिक गतिविधि अधिक होती है। उसमें पैर और हाथ दोनों अभी भी फुर्ती के साथ चलते रहते हैं। धर्मपाल खाने पीने में भी काफी सावधानी बरतते हैं। वह तली हुई चीजों से दूर रहते हैं। इसलिए भी फिट हैं। टेलीकम्युनिकेशन विभाग से उपनिदेशक के पद से सेवानिवृत धर्मपाल नौकरी के दिनों में भी बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। पदक विजेता खिलाड़ी की बेटी पारूल खटाना ने बताया कि उनके पिताजी प्रतिदिन एक घंटा सुबह बैडमिंटन खेलते हैं। बेटी के अनुसार पिताजी का सपना नेशनल खेलने का था, जो पूरा हो गया है।

फजीहत के बाद बदले पाकिस्तान के सुर, यूएस-ईरान समझौते पर अब किया टिप्पणी से इनकार, तेहरान दिखा चुका है आईना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए शांति प्रस्ताव की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, विदेश कार्यालय ने कहा कि शांति प्रक्रिया जारी है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, '45 दिवसीय युद्धविराम की पेशकश या 15-सूत्रीय समझौते की कई खबरें आई हैं। हम इन पर टिप्पणी नहीं करते हैं।' पाकिस्तान का यह बयान रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान और अमेरिका को पाकिस्तान द्वारा तैयार की गई एक योजना मिली है, जो युद्धविराम करा सकती है। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि युद्धविराम की यह रूपरेखा रातोंरात दोनों पक्षों के साथ साझा की गई थी।

अमेरिकी रिपोर्ट में मध्यस्थता का दावा :अमेरिकी मीडिया एक्सियोस ने अपनी एक रिपोर्ट में स्रोतों का हवाला देते हुए बताया था कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ एक संभावित 45-दिवसीय युद्धविराम पर चर्चा कर रहे थे। जो युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की दिशा में दो-चरणीय समझौते का हिस्सा हो सकता है। इसमें पहले युद्धविराम और फिर व्यापक समझौता किए जाने का दावा किया गया था।

ईरान ने खारिज किया प्रस्ताव :ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए अमेरिका द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर जवाब देते हुए तेहरान ने युद्धविराम को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि युद्ध का स्थायी अंत जरूरी है। ईरान के जवाब में 10 सूत्र शामिल थे, जिनमें क्षेत्र में संघर्षों की समाप्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन के लिए एक प्रोटोकॉल, प्रतिबंधों को हटाना और पुनर्निर्माण शामिल थे।

पाकिस्तानी प्रस्ताव खारिज होने की क्या थी वजह :

मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव के जवाब में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत अल्टीमेटम और युद्ध अपराधों के अंजाम देने की धमकी के साथ असंगत है। प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि 15-सूत्रीय योजना जैसी पिछली अमेरिकी मांगों को बहुत ज्यादा होने की वजह से अस्वीकार कर दिया गया था।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति बनेंगे ट्रंप?: मजाक-मजाक में किया इशारा; बोले- तेल से ईरान युद्ध का काफी खर्च निकला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि वेनेजुएला में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए, वे अपने कार्यकाल के बाद वहां के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं।ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के लोग कहते हैं कि अगर वे वहां राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ें, तो उनको किसी भी अन्य उम्मीदवार से कहीं ज्यादा वोट मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही स्पैनिश भाषा सीख लेंगे, क्योंकि वे भाषाओं को सीखने में माहिर हैं।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को ड्रग्स तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार किया था। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में अच्छे लोग शासन कर रहे हैं और दोनों देशों के संबंध अच्छे हैं।

ईरान युद्ध का खर्च निकाला :ट्रंप ने इस दौरान वेनेजुएला के साथ हुए संघर्ष को 45 मिनट में खत्म होने वाला बताया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने देश से सैकड़ों मिलियन बैरल तेल लिया है, जो पहले ही ह्यूस्टन में परिष्कृत होकर बिक चुका है। उन्होंने दावा किया कि वेनेजुएला का तेल बेचकर अमेरिका ने ईरान युद्ध का खर्चा निकाला है। उन्होंने कहा कि इस तरह से युद्ध का खर्च कई गुना चुकाया जा चुका है।

मंगल को होगा ईरान का 'अमंगल':एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए चेतावनी दी है।

मुझे मेरे जैसे और लोगों की जरूरत: ईरान पर अपने विवादित पोस्ट को लेकर घिरे ट्रंप, कहा- आलोचकों की परवाह नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए हैं। इस बार मामला उनके उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने ईरान को लेकर बेहद कड़ी और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता नहीं किया, तो उन्हें भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस बयान के बाद जब पत्रकारों ने उनसे आलोचना पर सवाल किया, तो ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें आलोचकों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे आलोचकों की परवाह नहीं है।' जब उनसे यह भी पूछा गया कि कुछ लोग उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं, तो उन्होंने इसे भी नजरअंदाज करते हुए कहा कि अगर ऐसा है, तो देश को उनके जैसे और लोगों की जरूरत है। ट्रंप ने अपने बचाव में कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले अमेरिका को व्यापार समेत कई मामलों में नुकसान उठाना पड़ रहा था, लेकिन उन्होंने आकर स्थिति बदली। उनका कहना था कि उनकी सख्त नीति और बयानबाजी ही अमेरिका के हित में है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद विपक्ष और कई आलोचकों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। खासकर ईस्टर के दिन किए गए उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर लोगों ने इसे घृणित और अशोभनीय बताया। कुछ नेताओं ने तो यहां तक मांग कर दी कि उनके मंत्रिमंडल को 25वां संशोधन का इस्तेमाल कर उन्हें पद से हटाने पर विचार करना चाहिए।

ईरान के तेल पर कब्जे की योजना

इस तनाव के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर उनके हाथ में फैसला होता, तो अमेरिका ईरान के तेल पर कब्जा कर सकता है, क्योंकि वह खुद को पहले बिजनेसमैन मानते हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले भी वेनेजुएला के साथ तेल को लेकर साझेदारी कर चुका है, इसलिए ईरान के मामले में भी ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'जंग जीतने वाले को उसका फायदा मिलना चाहिए' और अमेरिका को भी इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने साफ इशारा दिया कि अमेरिका अपनी पुरानी नीति से हटकर युद्ध के बाद संसाधनों पर कब्जा करने की सोच सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने दूसरे देशों की मदद की, लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए।

ट्रंप ने फिर दोहराया अल्टीमेटम :

इस दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि ईरान के पास समझौता करने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 5:30 बजे) तक का वक्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस समय तक कोई डील नहीं होती, तो ईरान में 'न पुल बचेंगे, न पावर प्लांट' और देश पाषाण युग में पहुंच जाएगा। ट्रंप ने बताया कि ईरान ने पहले सात दिन का समय मांगा था, लेकिन अमेरिका ने उसे 10 दिन दिए। अब यह अंतिम समयसीमा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत 'महत्वपूर्ण अवधि' है और अब फैसला ईरान को ही करना है। ईरानी लोग चाहते हैं कि अमेरिका बमबारी जारी रखें'राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जब यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था, तब ईरान ज्यादा मजबूत था, लेकिन अब अमेरिका ने उसे कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 47 वर्षों में जो कदम उठाए जाने चाहिए थे, वो अब किए जा रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एक और बड़ा दावा किया कि ईरान के कुछ लोग खुद अमेरिका से कह रहे हैं कि 'बमबारी जारी रखें'।

संकल्प से समाधान अभियान: शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण, प्रभारी मंत्री ने किया समीक्षा और हितग्राहियों को वितरित लाभ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने गत दिवस जिले में संचालित 'संकल्प से समाधान' अभियान की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टरसंजय कुमार जैन ने बताया कि अभियान अंतर्गत आयोजित 35 शिविरों में कुल 48,349 आवेदनो में से 47,199 आवेदनों का निराकरण किया गया था। प्रभारी मंत्री ने शेष आवेदनों का दो दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार आज शेष आवेदनों का निराकरण कर दिया गया, जिससे शत-प्रतिशत आवेदनों का समाधान सुनिश्चित हुआ। जिले में अभियान का संचालन चरणबद्ध तरीके से किया गया। प्रथम चरण में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक ग्राम पंचायत स्तर द्वितीय चरण में 16 फरवरी से

16 मार्च तक क्लस्टर स्तर पर, तृतीय चरण में 16 मार्च से 26 मार्च तक ब्लॉक स्तर पर, और चतुर्थ चरण में 26 मार्च से 31 मार्च तक जिला स्तर पर शिविर आयोजित किए गए प्रत्येक चरण में प्राप्त आवेदनों पर समाधानकारी कार्रवाई की गई। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने हितग्राहियों को सीधे हितलाभ वितरित किए। इस अवसर पर लाड़ली लक्ष्मी योजना की लाभार्थी आकृति सेन, आरूही गुप्ता एवं रिया गुप्ता को लाभ प्रदान किया गया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही रक्षा केशरवानीको भी प्रभारी मंत्री ने लाभ वितरित किया। बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक देवतालाब गिरीश गौतम, विधायक प्रदीप

पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर ने सभी विभागों को आगे भी हितग्राहियों के लाभ वितरण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इस अभियान की सफलता से जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों तक त्वरित सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

कॅरियर काउन्सिलिंग हेतु मनोवैज्ञानिकों गठन के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के कॅरियर मार्गदर्शन हेतु जॉब फेयर एवं कॅरियर काउन्सिलिंग योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए विषय विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिकों के पैनल गठन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं मनोवैज्ञानिक पद के लिए अभ्यर्थी के पास साइकोलॉजी या क्लीनिकल साइकोलॉजी में स्नातकोत्तर या पीजी डिप्लोमा होना आवश्यक है साथ ही शासकीय या निजी संस्थान में छात्रों को कॅरियर काउन्सिलिंग एवं मार्गदर्शन देने का कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए विषय विशेषज्ञ पद के लिए अभ्यर्थी के पास किसी भी विषय में डिग्री, डिप्लोमा या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ कॅरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव होना अनिवार्य है। चयनित पैनल को समय-समय पर जिला एवं खंड स्तरीय स्कूलों, आईटीआई और रोजगार शिविरों में कॅरियर काउन्सिलिंग हेतु भेजा जाएगा निर्देशानुसार काउन्सिलिंग के पश्चात अभ्यर्थियों की प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र के अनुसार रोजगार पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा इस कार्य के लिए प्रति काउन्सिलिंग 1000 रुपये (समस्त व्यय सहित) मानदेय प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 21 अप्रैल 2026 को सायं 05 बजे तक अपने समस्त प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित प्रतियों के साथ जिला रोजगार कार्यालय, सीधी में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से भी भेज सकते हैं। पैनल का गठन निर्धारित योग्यता, मेरिट अंक एवं अनुभव के आधार पर किया जाएगा।

त्रिदिवसीय श्री भक्तमाल कथा आयोजन: ईश्वरीय अनुकंपा और गुरुकृपा से होगा कथामृत का रसपान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जय श्री कृष्ण! ईश्वरीय अनुकंपा, गुरुकृपा और पूर्वजों के आशीर्वाद से हमारे परिवार को यह सौभाग्य प्राप्त हो रहा है कि वे त्रिदिवसीय श्री भक्तमाल कथा आयोजन का सफल आयोजन कर सकेंगे। यह आध्यात्मिक कार्यक्रम स्थानीय श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए धार्मिक ज्ञान, भक्ति भाव और अध्यात्मिक अनुभव का एक अनमोल अवसर साबित होगा। कथा का संचालन बाबा अनंदराम दरबार (चकरभाठा) के प्रमुख साई कृष्णदास जी द्वारा किया जाएगा जो व्यास पीठ से कथामृत का रसपान कराकर श्रद्धालुओं के हृदय को आध्यात्मिक आनंद से भर देंगे। कथा के दौरान श्री भक्तमाल के प्रमुख प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा जिससे उपस्थित श्रद्धालु भगवान के प्रति भक्ति भाव और जीवन मूल्यों को गहराई से समझ सकेंगे। त्रिदिवसीय इस कथा आयोजन में सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकेंगे। प्रत्येक दिन का प्रारंभ संध्या आरती, भजन एवं कीर्तन से होगा जिसमें भक्तजन सहभागिता कर भक्ति भाव का अनुभव प्राप्त करेंगे। कथा के दौरान भक्तिमय वातावरण और आध्यात्मिक अनुष्ठान से घर एवं समाज में धर्म, सदाचार और नैतिकता का संदेश फैलाने का उद्देश्य रखा गया है। कथा आयोजन के लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई है जिसमें श्रद्धालुओं की सुविधा साफ-सफाई और भोजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आयोजक परिवार का मानना है कि इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक लोग शामिल होकर अपने जीवन में भक्तिमय ऊर्जा का अनुभव प्राप्त करेंगे।

सब्जी मंडी जोरौंधा का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सब्जी मंडी जोरौंधा का निरीक्षण कर मंडी की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं व्यापारी संघ के साथ विस्तृत चर्चा की निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी के लिए आवंटित भूमि का सीमांकन शीघ्र कराने हेतु राजस्व विभाग को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान व्यापारी संघ के साथ मंडी की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के संबंध में चर्चा की गई कलेक्टर ने 45 पंजीकृत व्यापारियों की सूची उपलब्ध कराने सीसीटीवी कैमरे लगाने व्यापारी कल्याण निधि की स्थापना तथा राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी का साइन बोर्ड स्थापित करने जैसे कार्यों में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित

करने पर जोर दिया। मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कलेक्टर ने 2 होमगार्ड की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए साथ ही व्यापारियों से मंडी परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा प्लास्टिक बैग के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल बैग के उपयोग की अपील की गई। स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्लास्टिक डस्टबिन के स्थान पर सीमेंट डस्टबिन लगाने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही ग्राम पंचायत के सचिव को आगामी ग्राम सभा में सेवा कर (सर्विस टैक्स) वसूली का प्रस्ताव पारित कराने तथा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुरूप सफाई कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने मंडी क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने पर भी विशेष जोर दिया ताकि आम नागरिकों एवं व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रिया पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

10-11 अप्रैल को रामपुर नैकिन क्षेत्र का दौरा करेंगे कलेक्टर, चौपाल और निरीक्षण कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 10 एवं 11 अप्रैल 2026 को विकासखंड रामपुर नैकिन क्षेत्र का दो दिवसीय भ्रमण करेंगे इस दौरान वे विभिन्न विकास कार्यों एवं सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करेंगे और चौपाल कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 अप्रैल को कलेक्टर सायं 04 बजे सीएम राइज स्कूल रामपुर नैकिन और निर्माणाधीन अस्पताल का निरीक्षण करेंगे इसके बाद वे नगर परिषद कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय एवं तहसील कार्यालय का दौरा करेंगे इसके पश्चात ग्राम पंचायत रघुनाथपुर में चौपाल आयोजित की जाएगी जिसमें वे स्व सहायता समूहों की गतिविधियों का अवलोकन करेंगे इसके उपरांत ग्राम पंचायत चोरगड़ी में आयोजित चौपाल में शामिल होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे और समाधान के उपायों पर चर्चा करेंगे इस दौरान सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित रहेंगे दिन के अंत में कलेक्टर शिकारगंज में रात्रि विश्राम करेंगे। दूसरे दिन, 11 अप्रैल को कलेक्टर प्रात: 08 बजे चंदरेह शिव मंदिर का भ्रमण कर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करेंगे और श्रमदान में भाग लेंगे। तत्पश्चात ग्राम पंचायत गुजरेड़ में तालाब, स्कूल और आंगनवाड़ी का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद ग्राम पंचायत पोस्ता में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लेकर आमजन से संवाद करेंगे। दिन के दौरान हनुमानगढ़ तहसील कार्यालय एवं गौशाला का भी निरीक्षण किया जाएगा।

गांव-गांव चौपाल, घर के पास समाधान: 08-09 अप्रैल को सिहावल क्षेत्र में विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में ग्राम स्तर पर जनसंवाद, जनसुनवाई एवं हितलाभ वितरण का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत जिला प्रशासन अब सीधे गांवों में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुन रहा है और उनका मौके पर ही निराकरण करने का प्रयास कर रहा है, जिससे लोगों को जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता न पड़े यह विशेष अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसके माध्यम से प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे समस्याओं की वास्तविक स्थिति को समझने और उनका त्वरित समाधान करने में सहायता मिल रही है। अभियान के अंतर्गत 08 अप्रैल को विकासखंड सिहावल के ग्राम हटवा, पहाड़ी एवं अमिलिया में सायंकालीन एवं रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत कलेक्टर अमिलिया में रात्रि विश्राम करेंगे तथा स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को गहराई से समझने का प्रयास करेंगे। इसी क्रम में 09 अप्रैल को ग्राम कोदौरा, लौआ एवं सुहौलिया में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलेगा वहीं संबंधित अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ भी प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा है कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन जिले में लगातार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

09 अप्रैल को बहरी में 'संकल्प से समाधान' शिविर, हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में आमजन तक शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से 09 अप्रैल को तहसील बहरी मुख्यालय स्थित हायर सेकेंड्री स्कूल बहरी में संकल्प से समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया यह शिविर जनपद पंचायत सिहावल क्षेत्र के नागरिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविर का मुख्य उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान करना है इससे लोगों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। शिविर के सफल संचालन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजेश शुक्ला एवं जनपद पंचायत सिहावल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है दोनों अधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के समन्वय से शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जाएगा इससे आमजन को एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं और जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में स्टार्टअप्स और प्रोटोटाइप्स का प्रदर्शन, मेंटर्स ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में 7 अप्रैल 2026 को शोकेसिंग स्टार्टअप्स एंड प्रोटोटाइप टू मेंटर्स विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों द्वारा विकसित स्टार्टअप आइडियाज और प्रोटोटाइप्स को अनुभवी मेंटर्स के समक्ष प्रस्तुत करना उनका फीडबैक प्राप्त करना और उद्यमिता के क्षेत्र में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस अवसर पर इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी राकेश कुमार प्रजापति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन्क्यूबेशन सेंटर युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम है उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छात्र अभिनव शर्मा, मनीष केवट, अभिरामचंद्र कुशवाहा, सचिन सिंह परिहार, अमन सिंह चौहान, ऋषभ शुक्ला और छात्रा त्रिशाला सिंहने अपने नवाचारपूर्ण स्टार्टअप विचारों और प्रोटोटाइप्स का प्रदर्शन किया। मेंटर्स ने प्रत्येक प्रस्तुति पर विस्तार से चर्चा की और सुधार हेतु सुझाव दिए। साथ ही बाजार संभावनाओं, फंडिंग, स्केलिंग और चुनौतियों से निपटने के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी सहायक नोडल अधिकारी और अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

निराकरण के जनसुनवाई में 600 से अधिक आवेदकों की समस्याएं सुनीं, कलेक्टर ने दिए त्वरित निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने 600 से अधिक आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए सुबह 11 बजे से शाम 6:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में जिलेभर के नागरिक अपनी समस्याओं के साथ उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं और बुजुर्गों के आवेदनों को प्राथमिकता दी गई ताकि उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निराकरण संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित

किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक आवेदक को आवेदन के निराकरण की निर्धारित समयावधि स्पष्ट रूप से बताई जाए और निराकरण होने पर स्वयं सूचित किया जाए। आवेदकों की समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ आधार से संबंधित मामलों के लिए विशेष पहल की गई आधार में त्रुटियों के कारण योजनाओं का लाभ न मिलने वाले हितग्राहियों की समस्या के समाधान हेतु आधार टीम मौके पर उपलब्ध रही बायोमेट्रिक और डेमोग्राफिक अपडेट की प्रक्रिया पूरी की गई और नए आधार कार्ड भी बनाए गए। इसके अतिरिक्त,

जनसुनवाई में आयोजित मेडिकल शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नागरिकों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया सामान्य जांच के साथ ही रक्तचाप, शुगर और अन्य परीक्षण किए गए। चिकित्सकों द्वारा परामर्श प्रदान किया गया आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं और गंभीर मामलों को जिला चिकित्सालय या संबंधित स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान का सतत् संचालन, जनसहभागिता से मिल रहा व्यापक समर्थन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरियाकला में जल गंगा संवर्धन अभियान का तृतीय चरण सतत् रूप से संचालित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य जल संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है अभियान के तहत स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से तालाबों की सफाई, जलाशयों का सुधार और जल मंदिर की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक प्रयासों को मजबूती प्रदान की है। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व को ग्रामीण समुदाय में प्रत्यक्ष रूप से दिखाया जा रहा है लोगों की भागीदारी से यह स्पष्ट हो रहा है कि जनसहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अधिक प्रभावी और स्थायी बनाया जा सकता है। अभियान के दौरान किए जा रहे कार्यों में तालाबों की सफाई, जलाशयों की मरम्मत और जल संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

बेतुकी बयानबाजी

संपादकीय

माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले।

चुनावों के समय कैसी घोर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी होती है, इसका उदाहरण है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह विचित्र प्रश्न कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले एक और पहलगाम हमले के लिए कोई खाका तैयार है? निःसंदेह वे संकेत रूप में यह कहना चाहती हैं कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे भाजपा का हाथ था। यह पहली बार नहीं कि जब किसी नेता ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बेजा बयान दिया हो। इस हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे कि आखिर आतंकियों के पास इतना समय कहां था कि वे लोगों को मारने के पहले उनका मजहब पूछते? कुछ ने भारत सरकार पर पहलगाम गए पर्यटकों की सुरक्षा में जानबूझकर ढिलाई बरतने के आरोप मढ़े थे। इसे भी विस्मृत नहीं किया जा सकता कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने अपने संकीर्ण स्वार्थों को सिद्ध करने के फेर में केंद्र सरकार को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की थी। यह साफ है कि ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक को तुष्ट करने के लिए बेतुका बयान दिया, लेकिन ऐसा करके उन्होंने राष्ट्रीय हितों को गंभीर क्षति ही पहुंचाई। उन्होंने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की उस धमकी के सिलसिले में उक्त बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत ने फिर से अपने लोगों पर ऐसी कोई कार्रवाई की, जिसका दोष पाकिस्तान पर मढ़कर उसे निशाना बनाया तो हम कोलकाता तक हमले करेंगे। निश्चित रूप से पाकिस्तानी रक्षा मंत्री यही कहना चाहते हैं कि पहलगाम हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं था और यह तो भारत का अपना कृत्य अर्थात फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन था, ताकि पाकिस्तान को निशाना बनाया जा सके।

उन्होंने यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से इस्लामाबाद को दी गई इस चेतावनी के बाद दिया कि यदि पाकिस्तान से दोबारा आतंकी हमले हुए तो भारत अभूतपूर्व कार्रवाई करेगा। जैसे-जैसे पहलगाम हमले की बरसी करीब आ रही है, पाकिस्तान फिर से इस आतंकी हमले को भारत का अपना गुप्त ऑपरेशन करार देने में लगा हुआ है। यह निराशाजनक और शर्मनाक है कि ममता बनर्जी एक तरह से उसी झूठ को उच्चारित कर रही हैं, जिसे पाकिस्तान दोहरा रहा है। माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरुआत में आप' ने नई राजनीति' का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरुआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे

असम में सियासी रण और पहचान की राजनीति

घुसपैठ यूसीसी और विकास के बीच चुनावी जंग तेज

असम की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय मुद्दों और स्थानीय समीकरणों के संगम पर खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान—जिसमें उन्होंने घुसपैठियों पर सख्ती और चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही और चुनावी बहस को और तीखा बना दिया है। इस बयान के साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के बड़े नैरेटिव से जोड़कर देख रही है।

कांतिलाल मांडोत

असम की राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय रही है। यहां जातीय पहचान, भाषाई विविधता, धार्मिक संतुलन और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे गहराई से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि चुनावी समीकरण भी सरल नहीं होते। राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 34 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जो कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाती है। खासकर निचले असम और बराक वैली के क्षेत्रों में यह वोट बैंक चुनाव के नतीजों को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, ऊपरी असम में असमिया हिंदू, आदिवासी और चाय बागान समुदायों का प्रभाव अधिक है। भाजपा का चुनावी गणित इन विविध समूहों के बीच संतुलन साधने पर आधारित है। पार्टी की रणनीति साफ तौर पर तीन स्तंभों पर टिकती नजर आती है–घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख, विकास की राजनीति, और आदिवासी व स्थानीय समुदायों को सशक्त करने के वादे। नरेन्द्र मोदीऔर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की जोड़ी को भाजपा एक मजबूत नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है। यह नेतृत्व कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। घुसपैठ का मुद्दा असम में नया नहीं है, लेकिन इसे हर चुनाव में नए सिरे से उभारा जाता है। भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय पहचान से जोड़कर पेश करती है। पार्टी का तर्क है कि अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित किया है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता का मुद्दा जोड़कर भाजपा एक व्यापक वैचारिक एजेंडा सामने रख रही है, जो उसके समर्थक वर्ग को एकजुट करता है।

हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा ने आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की बात कहकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की है। असम में बोडो, मिसिंग, कार्बी, राभा जैसी कई जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इन समुदायों को आश्वस्त करना भाजपा के लिए जरूरी है, क्योंकि ये कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एक-एक गाय या भैंस देने जैसे वादे प्रतीकात्मक रूप से आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े हैं, जो सीधे तौर पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। जातिवाद का फैक्टर भी असम की राजनीति में कम महत्वपूर्ण नहीं है। हालांकि यहां उत्तर भारत की तरह परंपरागत जाति समीकरण उतने स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन समुदाय आधारित राजनीति बहुत मजबूत है। चाय बागान मजदूर समुदाय, जिसे अक्सर 'टी ट्राइब्स' कहा जाता है, लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए अहम वोट बैंक रहा है। भाजपा ने पिछले कुछ चुनावों में इस समुदाय में अपनी पकड़ मजबूत की है, जबकि कांग्रेस पारंपरिक रूप से यहां प्रभाव रखती रही है। इसी तरह बोडो और अन्य जनजातीय समूहों के बीच क्षेत्रीय दलों का भी प्रभाव है, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो जाता है।

विकास का मुद्दा इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भाजपा यह दावा कर रही है कि पिछले वर्षों में असम में सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिशें भी दिखाई देती हैं। यदि मतदाता इन दावों को स्वीकार करते हैं, तो भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। खासकर युवा मतदाता, जो रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं, विकास के एजेंडे से प्रभावित हो सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं। कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और ग्रामीण वर्ग शामिल हैं। यदि यह समर्थन एकजुट रहता है और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनता है, तो कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती दे सकती है। हालांकि, पिछले चुनावों में कांग्रेस को संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व के अभाव का सामना करना पड़ा है, जिसे दूर करना उसके लिए जरूरी है। असम का चुनाव केवल दो दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह कई स्तरों पर लड़ी जाने वाली लड़ाई है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी, विकास बनाम पहचान, और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसे कई विमर्श एक साथ चलते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि असम का मतदाता बेहद जागरूक और व्यावहारिक है। वह केवल भावनात्मक मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि वह अपने वादों को विश्वसनीय बनाए और सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। वहीं कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे। इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता सुरक्षा और पहचान के मुद्दों को प्राथमिकता देता है या विकास और सामाजिक संतुलन को। असम की जनता का फैसला न केवल राज्य की राजनीति की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

बदली हुई दुनिया में भारत

(आलेख : सत्येंद्र रंजन)

ईरान पर हमला कर अपनी वैश्विक प्रभुता को जताने का अमेरिका का दांव उलटा पड़ चुका है। देखते-देखते यह युद्ध विश्व शक्ति संतुलन में आ चुके आमूल बदलाव को हम सबके सामने उजागर करता जा रहा है। सामरिक विशेषज्ञ तो अब यहां तक कह रहे हैं कि रणनीतिक सोच और सैन्य ढांचे -- दोनों मामलों में अमेरिका बीसवीं सदी में सिमटा रह गया। नतीजतन, 21वीं सदी की नई व्यूह रचना और इसमें उभरे नए मोर्चों पर हो रहे मुकाबलों में उसके लिए वर्चस्व बनाए रख पाना कठिन हो गया है। यह समझ ठोस रूप ले रही है कि जब कभी अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होगा, वैश्विक संचालन के नए ढांचों के आकार लेने की प्रक्रिया गति पकड़ लेगी। जाहिरा तौर पर संचालन के इन नियमों को अब वॉशिंगटन (यानी अमेरिका) में नहीं लिखा जाएगा, जैसा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ था। उन नियमों को तय करने में संभवतः अमेरिका की अब भी भूमिका होगी, लेकिन वह महज एक भागीदार के रूप में होगी। इस मामले में उसे अन्य समकक्ष भागीदारों के साथ तालमेल बैठाना होगा। हमारे लिए महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या उन 'समकक्ष' भागीदारों में भारत भी एक होगा? पिछली बार जब विश्व संचालन के नियम तय हुए और उनके अनुरूप संस्थाएं बनाई गईं, तब भारत अभी ब्रिटेन का गुलाम था। ग्लोबल साउथ के ज्यादातर देशों की तब वही स्थिति थी। मगर इस बार इस प्रक्रिया में उनमें से कई देशों की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। क्या भारत उनमें से एक होगा? **बहरहाल, इस प्रश्न पर विचार के पहले उचित होगा कि पश्चिम एशिया के मौजूदा युद्ध के बाद किन बड़े परिवर्तनों का अनुमान है, उन पर हम एक नज़र डाल लें :** यह लगभग तय-सा है कि इस युद्ध के बाद पश्चिम एशिया की संचरना में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ईरान (अगर निर्णायक रूप से पराजित नहीं हुआ तो) उस क्षेत्र की प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित होगा। खाड़ी देश देर-सबेर ईरान के साथ बेहतर संबंध बना कर चलने की राह अपनाएंगे। ओमान और कतर ने ऐसे संकेत अभी से दे दिए हैं। सऊदी अरब और यूएई अभी असमंजस में हैं। वे ईरान का प्रभाव रोकना चाहते हैं, लेकिन अपनी ताकत से ऐसा करना उनके लिए संभव नहीं है। अपनी जनता में प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से वे उस युद्ध का हिस्सा भी नहीं बनना चाहते, जिसकी डोर इजराइल के हाथ में हो। बहरीन और कुवैत का अस्तित्व आगे चल कर खतरे में पड़ सकता है। (1971 तक बहरीन ईरान का हिस्सा था, जिस पर से तत्कालीन शाह रज़ा पहलवी शासन ने ब्रिटेन के दबाव में अपना दावा छोड़ दिया था। कुवैत पर इराक का पारंपरिक दावा रहा है।)

फिलहाल ईरान ने होरमुज जलडमरुमध्य पर अपना नियंत्रण दिखा दिया है। वह चाहता है कि इस जल मार्ग पर उसकी संप्रभुता को दुनिया मान्यता दे। ऐसा होने का मतलब दुनिया भर में मुक्त नौवहन के उस कायदे का खत्म होना होगा, जिस पर अमल को महाशक्तियां सुनिश्चित करती रही हैं। आधुनिक युग में अमेरिकी वर्चस्व का एक आधार ऐसा कर सकने की उसकी सैन्य शक्ति भी रहा है। लेकिन अब अमेरिका ऐसा कर सकने में खुद को अक्षम पा रहा है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि जिन देशों को होरमुज जल मार्ग बंद होने से दिक्कत है, वे उसे खुलवाने की हिम्मत दिखाएं! क्या यूरोपीय देश, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया आदि ऐसा करने की पहल करेंगे? इस सवाल को बेहतर ढंग से ऐसे पूछा जा सकता है कि क्या वे ऐसा करने में सक्षम हैं? यह तो तय है कि चीन ऐसी पहल नहीं करेगा। इसलिए कि ईरान ने चीनी जहाजों के लिए वह मार्ग खोल रखा है। फिर होरमुज पार करने के लिए चीनी मुद्रा युवान में भुगतान की शर्त लगा कर वह असल में चीन के हित में काम कर रहा है। युवान में भुगतान की शर्त के साथ ईरान ने पेट्रो-डॉलर सिस्टम को चुनौती दी है। अमेरिकी मुद्रा को वैश्विक मुद्रा बनाए रखने का आधार पेट्रो-डॉलर सिस्टम ही है। तेल उत्पादक देशों ने पेट्रोलियम पदार्थों को सिर्फ डॉलर में बेचने के चलन को छोड़ दिया, तो तमाम देशों के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर को रखने की अनिवार्यता खत्म हो जाएगी। यह अमेरिकी समृद्धि पर जोरदार प्रहार होगा। काबिल-ए-गौर है कि डॉलर से अपने कारोबार को अलग करने की कोशिशें इस युद्ध के पहले ही जोर पकड़ चुकी थीं। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर रूस को पश्चिमी देशों ने डॉलर सिस्टम से बाहर किया, तो उसे विभिन्न देशों ने अपने लिए चेतावनी के रूप में देखा। तब से विदेशी मुद्रा भंडार में स्वर्ण की मात्रा बढ़ाने का रुझान जोर पकड़ता गया है। सोना अब वैश्विक केंद्रीय बैंक भंडार का 24 फीसदी हिस्सा बन चुका है, जो पहली बार 1990 के दशक के मध्य के बाद अमेरिकी ट्रेजरी (21 फीसदी) से अधिक हुआ है। पिछले एक दशक में केंद्रीय बैंकों के भंडार में सोने का प्रतिशत लगभग तीन गुना हो गया है, जिसका कारण विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों का सोना खरीदारी की मुहिम में जुटना और उसके परिणामस्वरूप सोने की कीमत में तेजी से हुई बढ़ोतरी है। इसी दौरान सेंट्रल बैंकों ने अमेरिकी सरकारी ऋण में अपनी हिस्सेदारी लगातार घटाई है। यह बदलाव डॉलर-आधारित परिसंपत्तियों से दूरी बनाने का संकेत देता है।

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है।

ललित गर्ग

कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती

रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं- मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग ', 'बुनियाद ', 'संजीवनी ', 'बालिका वधू ', 'उड़ान ', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है।

11.5 लाख की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार: बैराड़ नगर परिषद अध्यक्ष का भांजा भी शामिल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की बैराड़ थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को दो स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें नगर परिषद अध्यक्ष मालती लक्ष्मण रावत का भांजा आशिक पिता शिशुपाल रावत (20) और टिंकल उर्फ शेरा पिता रामेश्वर रावत (20) निवासी कालामढ़ बैराड़ शामिल हैं। थाना प्रभारी सुरेश शर्मा ने बताया कि 7 अप्रैल 2026 की सुबह सूचना मिली थी कि सिद्ध बाबा स्थान, बरोद रोड बैराड़ पर दो युवक स्मैक बेचने के लिए खड़े हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिये के आधार पर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी आशिक के पास से 32.29 ग्राम और टिंकल के पास से 23.70 ग्राम स्मैक बरामद हुई। कुल 55.99 ग्राम स्मैक की कीमत लगभग 11.5 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे करीब दो साल से इस अवैध कारोबार में लिप्त थे वे शिवपुरी से 3500 रुपए प्रति ग्राम के हिसाब से स्मैक खरीदते थे और उसे छोटी-छोटी पुड़ियों में बांटकर 10 हजार रुपए प्रति ग्राम तक बेचते थे इससे होने वाले मुनाफे को दोनों आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े अन्य सप्लायरों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

बगीचा सरकार की कसम खाने वाले 12 पार्षद भोपाल पहुंचे

नपा अध्यक्ष हटाने की मांग, प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल को सौंपे इस्तीफे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका में पिछले साल 'बगीचा सरकार' की कसम से शुरू हुआ विवाद एक बार फिर गहरा गया है। अध्यक्ष गायत्री शर्मा के विरोध में 12 पार्षद भोपाल पहुंचे उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात कर अध्यक्ष को हटाने की मांग की। पार्षदों ने प्रदेश अध्यक्ष को बताया कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है उनका आरोप है कि अध्यक्ष पार्षदों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करती हैं जिससे वार्डों में विकास कार्य बाधित हो रहे हैं पार्षदों का कहना है कि इन गतिविधियों से शिवपुरी में भाजपा की छवि धूमिल हो रही है।

12 पार्षदों ने इस्तीफे भी सौंपे: मुलाकात के दौरान सभी 12 पार्षदों ने अपने इस्तीफे भी प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिए इस पर हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि चूंकि वे पहली बार उनके पास आए हैं इसलिए संगठनात्मक स्तर पर पूरे मामले की जांच की जाएगी और 10 दिन के भीतर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नपाध्यक्ष को हटाने कसम खाई : उल्लेखनीय है कि 11 जून 2025 को इन्हीं पार्षदों ने करेरा स्थित बगीचा सरकार मंदिर में अध्यक्ष को हर हाल में हटाने की कसम खाई थी।

अवैध खनन पर कड़ा प्रहार: जिला टास्क फोर्स सख्त, सतत निगरानी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने की जो समय-सीमा की बैठक के पश्चात संपन्न हुई बैठक में मुख्य एवं गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अब तक की गई कार्रवाइयों की विस्तृत समीक्षा की गई विभागवार प्रगति का आकलन करते हुए कमियों की पहचान की गई और उन्हें दूर कर कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में अवैध गतिविधियों पर सतत और कड़ी निगरानी रखी जाए उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही संचालनालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में राजस्व, पुलिस, परिवहन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ नियमित संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत करने तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा जिले के सभी चेक पोस्टों पर सतत निगरानी रखने, संदिग्ध वाहनों की सघन जांच करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे अवैध खनन से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी प्रशासन को दें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एससी-एसटी विद्यार्थियों के लिए बड़ा मौका, विद्यालयों में प्रवेश हेतु अभिव्यक्ति आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आदिवासी विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षणिक और कैरियर भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क अध्ययन हेतु विद्यार्थियों से 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने का अवसर देना है योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर उनकी पढ़ाई का संपूर्ण खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार यह योजना कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसके माध्यम से न केवल शिक्षा का स्तर सुधरेगा बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर कैरियर विकल्प चुनने में भी सहायता मिलेगी। इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक निर्धारित प्रारूप में अपनी रुचि की अभिव्यक्ति 23 अप्रैल 2026, शाम 5:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग में जमा कर सकते हैं। पर अवलोकन किया जा सकता है।

तालाब में डूबने से 7 साल के बच्चे की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के धौरिया गांव में एक तालाब में डूबने से सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई परिजन उसे पहले बैराड़ के स्वास्थ्य केंद्र और बाद में मेडिकल कॉलेज ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बाबू धाकड़ (7) पुत्र गजानंद धाकड़ अपने दो दोस्तों के साथ गांव के तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया उसके साथ मौजूद बच्चों ने किसी तरह बाहर निकलकर ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चे की तलाश शुरू की कुछ देर बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया परिजन तुरंत उसे बैराड़ के स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया हालांकि मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

ज्ञानभारतम पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान को मिली गति: संरक्षण और डिजिटलीकरण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में जिले में 'ज्ञानभारतम पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान' को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने की। बैठक में जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि धार्मिक स्थलों, निजी संग्रहों, शैक्षणिक संस्थानों एवं पुस्तकालयों में सुरक्षित पाण्डुलिपियों का सुनियोजित सर्वेक्षण कर उनका समुचित डेटा संकलन किया जाए ताकि इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा सके। नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान के प्रभावी संचालन के लिए पंचायत सचिवों को मोबाइल एप के माध्यम से पंजीयन चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं नगरीय क्षेत्रों में यह कार्य नगर पंचायत प्रमुखों के माध्यम से किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के महाविद्यालयों में इतिहास विभाग के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस क्रम में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के इतिहास व्याख्याताओं को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पुराने पुरोहितों, मंदिरों, ट्रस्टों, राजपरिवारों एवं जनजातीय समाज के प्रमुखों से संपर्क स्थापित कर उनके पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों का चिन्हांकन एवं मोबाइल एप में पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पाण्डुलिपियां हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं जिनका संरक्षण और डिजिटलीकरण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खनिज परिवहन में बड़ा बदलाव; खनिज ऑनलाइन 2.0 लागू

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में खनिज परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। खनिज साधन विभाग के निर्देशानुसार 1 अप्रैल 2026 से खनिजों के परिवहन हेतु मैनुअल अभिवहन पास की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। अब खनिजों का परिवहन केवल 'खनिज ऑनलाइन 2.0' पोर्टल के माध्यम से जारी (इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजिट पास) के जरिए ही किया जाएगा। जिला खनिज अधिकारी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य खनिज परिवहन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा संपूर्ण प्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करना है। विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल प्रक्रियाओं में सरलता आएगी बल्कि निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। नई व्यवस्था के तहत सभी वाहन मालिकों, परिवहनकर्ताओं एवं ठेकेदारों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने वाहनों का पंजीयन 'खनिज ऑनलाइन 2.0' पोर्टल पर कराएं। पंजीयन के उपरांत ही संबंधित वाहन को द्ञअक्क के माध्यम से खनिज परिवहन की अनुमति दी जाएगी। बिना पंजीयन के किसी भी वाहन को खनिज परिवहन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई वाहन बिना पंजीयन के खनिज परिवहन करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिवपुरी में युवक ने जहर खाकर दी जान,मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सिरसौद थाना क्षेत्र के ग्राम रौंधा में सोमवार रात 23 वर्षीय मनीष जाटव ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे पहले जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार रात जैसे ही मनीष जाटव द्वारा जहर खाने की खबर गांव में फैली पूरे रौंधा गांव में हड़कंप मच गया परिजन और आसपास के लोग तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे मनीष की हालत काफी गंभीर थी इसलिए उसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन हालत ज्यादा बिगड़ने के कारण देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई मनीष जाटव अपने परिवार में तीन भाइयों में सबसे छोटा था उसकी मौत के बाद परिवार में गहरा सदमा है और घर का माहौल गमगीन बना हुआ है परिजनों के अनुसार मनीष के पिता प्रहलाद की करीब छह साल पहले कैंसर से मृत्यु हो चुकी थी इसके बाद से परिवार पहले ही कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहा था। परिजनों ने बताया कि मनीष का स्वभाव कुछ चिड़चिड़ा था। वह अक्सर गुस्से में आ जाता था और एक बार गुस्से में अपना मोबाइल भी तोड़ चुका था। फिलहाल मनीष द्वारा यह कदम क्यों उठाया गया इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और हर पहलू से जानकारी जुटा रही है मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मेडिकल चौकी प्रभारी नंद किशोर गर्ग ने बताया कि युवक की मौत जहर खाने से हुई है मामले की आगे की जांच सिरसौद थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

नपाध्यक्ष बोलीं- चार दिन में CMO का मुंह काला करूंगी वह मेरी बदौलत यहां डटा है; एकाउंट को भुगतान रोकने के निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के दो वीडियो सामने आए हैं जो तेजी से वायरल हो रहे हैं इन वीडियो में अध्यक्ष लेखा शाखा में पहुंचकर कर्मचारियों पर नाराजगी जताती नजर आ रही हैं और मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए विवादित बयान देती दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि यह घटनाक्रम नगर पालिका के एकाउंट सेक्शन में हुआ। अध्यक्ष गायत्री शर्मा अपने पति संजय शर्मा के साथ अचानक लेखा शाखा पहुंचीं। वहां मौजूद कर्मचारियों से उन्होंने तीखे लहजे में सवाल किए जिसके बाद कर्मचारी कक्ष से बाहर चले गए। इसके बाद अध्यक्ष ने कैशबुक मंगवाई और स्पष्ट कहा कि उनकी जानकारी के बिना एक रुपए का भी भुगतान नहीं किया जाएगा उन्होंने नगर पालिका के बैंक खातों की जानकारी भी मांगी और उन्हें बंद कराने तक की बात कही। वायरल वीडियो में अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए उन्हें 'चोर' कहती नजर आ रही हैं। साथ ही कर्मचारियों से यह भी कहा गया कि भुगतान से जुड़ा कोई भी आदेश पहले उन्हें बताया जाए। उन्होंने यह तक कहा कि जब तक वह पद पर हैं नगर पालिका उनके नियंत्रण में है। मामले को लेकर प्रभारी लेखापाल रविकांत झा को लिखित शिकायत दी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया फाइलें छीनी गईं और बिना पावती के अपने पास रख ली गईं साथ ही कर्मचारियों को धमकाने और भुगतान रोकने के निर्देश देने की बात भी सामने आई है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि अध्यक्ष और उनके पति कैशबुक को अपने साथ ले गए और किसी भी प्रकार का भुगतान न करने के निर्देश दिए साथ ही कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी भी दी जाती है जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हैं। वहीं एक अन्य वीडियो में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने साफ कहा कि अगर उनकी जानकारी के बिना एक रुपए का भी भुगतान हुआ तो उसकी जिम्मेदारी एकाउंटेंट की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि काम संभालना संभव नहीं है तो लिखित में दे दिया जाए ताकि किसी दूसरे व्यक्ति को लेखा कार्य सौंपा जा सके।

इंटरनेशनल गणित ओलंपियाड में 25 स्वर्ण पदक: दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ज्ञान और प्रतिभा के संगम स्थल, सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ ने एक बार पुनः अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में विद्यालय के 116 मेधावी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें से 25 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं बल्कि विद्यालय के उच्च स्तरीय शिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन को भी प्रमाणित किया है कठिन गणितीय समस्याओं को सरलता एवं तार्किक दृष्टिकोण से हल कर विद्यार्थियों ने अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है उन्होंने सभी विजेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। संस्था की निदेशिका पूनम सिंह ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी निरंतर साधना अथक परिश्रम एवं गणित विषय के प्रति गहरी रुचि का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प, तार्किक सोच और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। विद्यालय में इस उपलब्धि का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। सभी विजेता विद्यार्थियों को विशेष प्रातः सभा में सम्मानित कर मेडल पहनाकर शुभकामनाएँ दी गईं। निस्संदेह यह उपलब्धि विद्यालय के गौरवशाली इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगी तथा भविष्य में भी उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने की प्रेरणा देती रहेगी।

रतलाम-नागदा में रहेगा समर वेकेशन दो जोड़ी ट्रेन का स्टॉपेज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। समर वेकेशन के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर एवं वलसाड से मऊ के बीच दो जोड़ी ग्रीष्मकालीन स?पेशल ट्रेनें चलाने जा रहा है। यह ट्रेनें विशेष किराये के साथ रतलाम रेल मंडल के स्टेशनों से होकर चलेगी।

बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर स्पेशलः ट्रेन संख्या 05034 बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को 23 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (9.45/09.55 बुधवार) होते हुए गुरुवार को 7.45 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 अप्रैल से 12 मई तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05033 गोमती नगर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार 14 बजे प्रस्थान कर रतलाम (9.00/09.10 बजे मंगलवार) होते हुए अगले दिन 20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन तत्काल प्रभाव से 11 मई तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा, कासगंज, इज्जत नगर, पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, एवं डालिगंज पर ठहरेगी।

वलसाड-मऊ स्पेशलः ट्रेन संख्या 05018 वलसाड-मऊ स्पेसी प्रकार ट्रेन संख्या 05017 मऊ-वलसाड स्पेशल, मऊ से तत्काल प्रभाव से 9 मई 2026 क प्रति शनिवार को 6 बजे चलेगी। नागदा (4.28/04.30 रविवार) एवं रतलाम (5.15/05.25) बजे होते हुए रविवार को 12.35 बजे वलसाड पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर स्टॉपेजः यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सुरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, और औड़िहार स्टेशनों पर रुकेगी।

सिम बदल कर पुलिस को देता था चकमा, पकड़ाया

मीडिया ऑडीटर, सलामतपुर (निप्र)। सलामतपुर पुलिस ने 9 महीने तक चकमा देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी गोवर्धन उर्फ गोलू राजपूत ने 16 जून 2025 को सलामतपुर के नजदीकी गांव की 15 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा लिया था। इस दौरान बालिका गर्भवती हो गई। आरोपी लगातार लोकेशन बदलता रहा। 4-5 शहरों में फरारी काटता रहा। रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में बनी टीम ने साइबर सेल की मदद ली। टीम ने राजगढ़ जिले के ग्राम नलखेड़ा से घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। सोमवार को आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसे रायसेन न्यायालय में पेश किया गया।

तेज रफ्तार वाहन ने 2 साइकिल सवारों मारी टक्कर बुजुर्ग की मौत; युवक की हालत गंभीर, ग्रामीणों में आक्रोश

मीडिया ऑडीटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में 64 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे जबलपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बरोदा माल निवासी अक्तू लाल कन्हेरिया (64) मंगलवार सुबह करीब 8 बजे रविंद्र कुलस्ते नामक युवक के साथ साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। बरोदा पटरी ग्राम के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों साइकिल सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे।

गंभीर हालत में रेफरः तत्काल 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर ले जाया गया। वहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने अक्तू लाल कन्हेरिया को मृत घोषित कर दिया। रविंद्र कुलस्ते की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

हादसे की वजह रफ्तारः बताया जा रहा है कि यह हादसा वाहन चालक की लापरवाही और तेज गति के कारण हुआ। घटना के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर तेज रफ्तार वाहन चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। घंसौर थाना प्रभारी लक्ष्मण झारिया ने बताया कि सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत और एक के गंभीर घायल होने की सूचना मिली थी। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है और फरार वाहन व चालक की तलाश जारी है।

खरगोन में किसानों ने रास्ता खोलने की मांग की खुदाई से वाहन नहीं जाने के कारण खेत में फंसी फसल

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के ओझरा गांव के किसानों ने एक पुराने रास्ते को बंद किए जाने की शिकायत की है। किसानों का कहना है कि रास्ता संकरा होने के कारण खेतों में खड़ी तैयार फसल को बाहर निकालना मुश्किल हो गया है। किसानों के अनुसार, रास्ते के एक तरफ पत्थरों का ढेर लगा दिया गया है, जबकि दूसरी तरफ खुदाई कर दी गई है। इस वजह से रास्ता इतना संकरा हो गया है कि मिनी ट्रक और हार्वेस्टर जैसे बड़े वाहन खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पहले इस रास्ते का उपयोग बड़े वाहनों के लिए आसानी से होता था, लेकिन अब केवल बैलगाड़ी ही निकल पाती है।किसानों ने कसरावद तहसीलदार को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है और शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। उन्हें अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया गया है। किसान रुपेश पटेल ने बताया कि उनकी फसल खेतों में तैयार खड़ी है, लेकिन वाहनों की पहुंच न होने के कारण वे उपज को बाहर नहीं ला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रास्ता पीढ़ियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। एक किसान ने मेड़ की तरफ पत्थर की पाल खड़ी कर दी है, जबकि एक अन्य किसान ने मेड़ किनारे 3 फीट चौड़ी और 2 फीट गहरी खुदाई कर दी है, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया है।

नर्मदापुरम में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत पर प्रदर्शन कलेक्ट्रेट गेट पर रात में खाना बनाने बैठे युवक, बोले- सिलेंडर दिलवाएं

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। एलपीजी किल्लत और कालाबाजारी को लेकर नर्मदापुरम में युवक और कार्यकर्ताओं ने दिन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। रात करीब 9.30 बजे छात्र कलेक्ट्रेट के सामने खाना बनाने पहुंचे। 15 से ज्यादा छात्र सब्जी, पोहा और खाना बनाने की अन्य सामग्री लेकर बैठ गए। सूचना मिलते ही तहसीलदार सरिता मालवीय और शक्ति तोमर मौके पर पहुंचे। एक घंटे तक समझाइश दी। जिसके बाद मामला शांत कराया।मप्र आदिवासी विकास परिषद के छात्र प्रभाग ने आरोप लगाया कि तय कीमत करीब 900 रुपए होने के बावजूद 3500 से 4000 रुपए तक में

बेचा जा रहा है। हमें सिलेंडर चाहिए। तहसीलदार ने छात्रों से कहा कि आपके खाने की व्यवस्था दीनदयाल रसोई से करवा देते है तो उन्होंने दीनदयाल रसोई के भोजन को ठुकराया।

एडवोकेट राजू उईके और नीरज वारिवा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा था। आश्वासन के बावजूद रात में छात्र विरोध के लिए पहुंच गए। प्रशासन ने छात्रों के लिए दीनदयाल रसोई में भोजन की व्यवस्था भी प्रस्तावित की, लेकिन छात्रों ने इसे ठुकरा दिया।

तहसीलदार ने कहा कि जिन जिन के पास नर्मदापुरम जिले के एलपीजी कनेक्शन है। वे अपनी बुक और डीएससी नम्बर लेकर मंगलवार को आएं। जिन्हें दिखवाने के बाद सिलेंडर दिलवाने का आश्वासन दिया। तहसीलदार ने फिर दीनदयाल रसोई से खान खिलवाने का कहा तो वहां मौजूद कांग्रेस नेता फैजान ने कहा सभी के खाने की व्यवस्था में करवा देता हूं तो दीनदयाल रसोई का खाना ठुकराने वाले युवक तैयार हो गए और प्रदर्शन खत्म किया।

घर में घुसे बदमाशों ने दंपति को बंधक बनाया, मारपीट के दौरान व्यापारी की मौत, आभूषण लूटकर फरार हुए आरोपी

मीडिया ऑडीटर, धार (निप्र)। ग्राम गोंदीखेड़ा में देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर दंपति को बंधक बनाया और बेरहमी से मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने व्यापारी की हत्या कर दी और आभूषण लूटकर फरार हो गए।जिले की सरदारपुर तहसील के ग्राम गोंदीखेड़ा चरण में देर रात सनसनीखेज डकैती और हत्या की वारदात सामने आई है, जहां हथियारबंद बदमाशों ने एक व्यापारी के घर में घुसकर दंपति को बंधक बनाकर मारपीट की और विरोध करने पर व्यापारी की हत्या कर दी। बदमाश घर से लाखों रुपए के आभूषण लूटकर फरार हो गए।जानकारी के अनुसार राजोद थाना क्षेत्र के गोंदीखेड़ा चरण गांव में रात करीब 1 से 2 बजे के बीच मिर्ची व्यापारी देवकृष्ण पिता लक्ष्मण पुरोहित के घर अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला। बदमाशों ने व्यापारी और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की तथा व्यापारी को बंधक बना लिया। पत्नी को अलग कमरे में बंद कर आरोपी लगातार मारपीट करते रहे और घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।बताया जा रहा है कि बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे व्यापारी देवकृष्ण की मौत हो गई। घटना के बाद उनकी पत्नी ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल सरदारपुर में कराया जा रहा है।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई थी। मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। सुबह से एएसपी पारुल बेलापुरकर और एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। मौके पर जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। सूचना मिलते ही कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस उप-महानिरीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि गोंदीखेड़ा में हुई इस घटना के बाद पुलिस की टीमें सर्चिंग में जुटी हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

वन विभाग ने बुरहानपुर में अवैध गोंद जब्त किया लगातार दूसरे दिन मिली बड़ी खेप

आरक्षित वन कक्ष में छिपाकर रखी थी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में वन विभाग ने अवैध गोंद की तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले दो दिनों में विभाग ने भारी मात्रा में सलई और धावड़ा गोंद जब्त किया है। जिले में लंबे समय से धावड़ा और सलई गोंद निकालने, बेचने और परिवहन पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन गोंद माफिया अभी भी सलई के पेड़ों को नुकसान पहुंचाकर गोंद निकाल रहे हैं। एक दिन पहले, खकनार रेंज के बोरखेड़ा कक्ष क्रमांक आरएफ 310 से सलई गोंद का अवैध परिवहन करते हुए एक पिकअप वाहन जब्त किया गया था। हालांकि, वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। वन विभाग की टीम ने इस दौरान 845 किलोग्राम सलई गोंद बरामद किया था। सोमवार को 369 किलोग्राम गोंद बरामद कीः हीं, सोमवार को वन विभाग को बुरहानपुर वन मंडल के बोदरली गांव के बारकोट के पास आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 403 में धावड़ा गोंद छिपाकर रखने की सूचना मिली।

टीम तुरंत मौके पर पहुंची और झाड़ियों के बीच छिपाए गए 8 कट्टे धावड़ा गोंद जब्त किए, जिसका कुल वजन 369 किलोग्राम है। बुरहानपुर के एसडीओ अजय सागर ने बताया कि इस मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है। इससे पहले, खंडवा सीसीएफ की ओर से गठित एक टीम ने भी बोरी गांव में दबिश देकर एक गोदाम से 780 किलोग्राम गोंद जब्त किया था। इन लगातार कार्रवाइयों के बाद से वन विभाग जिले में सक्रियता से निगरानी और कार्रवाई कर रहा है।

पति ने डंडे से पीटा, सिर-हाथ पर गंभीर चोटे आई पन्ना में पत्नी के गाली देने से मना करने पर आरोपी ने किया विवाद

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में सिमरिया थाना क्षेत्र के बेहरपुरा सटवा गांव में शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी पर डंडे से पीटा। पति के वार से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

नशे में धुत पति ने महिला से की गाली-गलौजः पीड़िता प्रभा अहिरवार (22) ने बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले भागीरथ अहिरवार से हुई थी। भागीरथ शराब का आदी है और अक्सर घर में विवाद करता है। 27 मार्च को भागीरथ नशे में घर पहुंचा। प्रभा ने उसे खाना परोसा, जिसके बाद वह बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगा।

गाली देने से मना करने पर डंडे से पीटाःट जब प्रभा ने गाली देने से मना किया, तो आरोपी पति और नाराज हो गया। उसने पास पड़ा डंडा उठाकर प्रभा के सिर, बाएं हाथ की कलाई और पैर पर कई वार किए। हमले में प्रभा के सिर से खून बहने लगा और उसके हाथ में गंभीर चोट आई, जिस पर अब प्लास्टर चढ़ा है।

शोर सुनकर चाचा ससुर सुम्मेरा और देवर रंजीत ने बीच-बचाव कर प्रभा की जान बचाई। जाते-जाते आरोपी ने प्रभा को अगली बार जान से मारने की धमकी भी दी।

छतरपुर जिला अस्पताल में एंबुलेंस में लगी आग इंजन के पास से उठीं लपटें, गार्ड ने फायर सिलेंडर से बुझाया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एक एंबुलेंस में अचानक आग लगने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। आग इतनी तेजी से बढ़ रही थी कि मौके पर मौजूद लोग घबराए हुए थे और किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी कि एंबुलेंस के पास जाकर आग बुझाने की कोशिश करे।

बताया जा रहा है कि आग एंबुलेंस के इंजन के पास, बोनट के अंदर की ओर से उठती हुई दिखाई दे रही थी। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि कहीं एंबुलेंस में विस्फोट न हो जाए, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। इसी डर के कारण काफी देर तक कोई भी व्यक्ति आग बुझाने के लिए आगे नहीं आया।

गार्ड की सूझबूझ से टला बड़ा हादसाः इसी बीच अस्पताल का एक गार्ड मौके पर फायर एक्सटिंग्विशर (आग बुझाने वाला सिलेंडर) सिलेंडर लेकर पहुंचा और उसने हिम्मत दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। समय रहते आग बुझा लिए जाने और गार्ड की सतर्कता और साहस से बड़ा हादसा टल गया।

मंदसौर में पुलिस ने जब्त की 45 हजार की शराबआरोपी गिरफ्तार, 15 पेटी मिली, आबकारी एक्ट में केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 पेटी अवैध देशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई जा रही है। एसपी के निर्देश पर जिलेभर में अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को थाना शहर कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाईः सोमवार को पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में आरोपी विजय कुमार पिता राजुचन्द्र भोई (उम्र 31 वर्ष), निवासी बनिया चौक भोईवाड़ा, मंदसौर के कब्जे से 15 पेटी अवैध देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्जः मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 233/2026 दर्ज कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण कायम किया गया है। जब्त मशरूका को विधिवत कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

आरोपी को न्यायालय में किया जाएगा पेशः गिरफ्तार आरोपी विजय कुमार को माननीय न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

मनचलों से तंग छात्रा ने खुद को लगाई आग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, 4 नाबालिगों पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। मनचलों की लगातार छेड़छाड़ से तंग आकर नौवीं की छात्रा ने आत्मदाह का प्रयास किया। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि चारों आरोपी नाबालिग हैं।जिले के मालथौन थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां छेड़छाड़ और मारपीट से तंग आकर नौवीं कक्षा की एक 14 वर्षीय छात्रा ने अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली। गंभीर हालत में छात्रा को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो नामजद सहित चार नाबालिगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।पीड़िता के पिता के अनुसार आरोपी पिछले तीन महीनों से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। वह छात्रा के ही स्कूल में पढ़ता है और बस से आने-जाने के दौरान उसे प्रताड़ित करता था। आरोपी अक्सर छात्रा को फोन कॉल कर परेशान करता था। परिजनों ने पहले आरोपी को समझाने की कोशिश की थी लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी अपने तीन साथियों के साथ उनके घर के सामने पहुंच गया। वहां आरोपियों ने परिवार के साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग निकले।आरोपियों की प्रताड़ना और धमकी से डरी-सहमी छात्रा घर के अंदर गई और खुद पर डीजल डालकर आग लगा ली। चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और चादर की मदद से आग बुझाई लेकिन तब तक छात्रा की गर्दन, छाती और दोनों हाथ बुरी तरह झुलस चुके थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मालथौन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। थाना प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि दो नामजद और दो अन्य (कुल 4) आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिक जांच में चारों आरोपी नाबालिग बताए जा रहे हैं।

युवक-युवती से लूट के दो आरोपी गिरफ्तार गौरीदांत घूमने गए थे, जंगल में चाकू अड़ाकर छीने मोबाइल और 4 हजार रुपए

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के सुरखी थाना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध गौरीदांत जंगल में युवक और उसकी महिला रिश्तेदार को अकेला पाकर लूट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 4 अप्रैल को हुई इस वारदात में आरोपियों ने चाकू अड़ाकर पीड़ितों से एक मोबाइल और 4 हजार रुपए नकद लूट लिए थे। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर सोमवार को दोनों आरोपियों को दबोच लिया है। वर्तमान में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल और नकद रुपए जब्त कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

चाकू अड़ाकर लूटे थे 4 हजार नकद और मोबाइलः पुलिस के अनुसार, सागर निवासी फरियादी अनुज नामदेव 4 अप्रैल को अपनी एक रिश्तेदार युवती के साथ जंगल के बीच स्थित प्रसिद्ध क्षेत्र गौरीदांत में दर्शन करने गया था। जब वे गौरीदांत पहुंचे, तभी उन्हें सुनसान इलाके में अकेला पाकर दो युवकों ने पकड़ लिया। आरोपियों ने चाकू अड़ाकर धमकाया और उनका मोबाइल सहित चार हजार रुपए नकद लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पकड़े गए दोनों आरोपीः वारदात के बाद फरियादी अनुज ने सुरखी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया और आरोपियों की तलाश शुरू की। साइबर सेल की मदद से लूटे गए मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कराई गई। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने सोमवार को दबिश देकर आरोपी चंदन चढार (निवासी टंकी मोहल्ला, सुरखी) और छोटू रैकवार (निवासी काकागंज, सागर) को पकड़ लिया।

पूछताछ में वारदात कबूली, टीम में ये रहे शामिलः थाने लाकर जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने वारदात करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल और नकद रुपए जब्त कर लिए गए हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

आईपीएल 2026 :

मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं राजस्थान रॉयल्स के ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 13वें मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की भिड़ंत गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) से होनी है। आरआर ने इस सीजन खेले अब तक दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वहीं, एमआई को आखिरी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में आरआर के ये 5 खिलाड़ी एमआई के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। वैभव सूर्यवंशी- आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी अब तक खेले दोनों ही मुकाबलों में शानदार लय में दिखाई दिए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने 17 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली थी, तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ 18 गेंदों में 31 रन बनाए। वैभव पावरप्ले में अपनी तूफानी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज अगर क्रीज पर टिक गया, तो राजस्थान रॉयल्स की टीम बड़ा टोटल खड़ा कर सकती है। यशस्वी जायसवाल- वैभव सूर्यवंशी के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल भी कमाल की फॉर्म में नजर आए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 36 गेंदों में 55 रनों की दमदार पारी खेली थी। आईपीएल 2026 में खेली अब तक दोनों ही पारियों में यशस्वी की बल्लेबाजी में आक्रामक अंदाज के साथ-साथ सूझबूझ भी नजर आई है, और इसी कारण वह एमआई के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

ध्रुव जुरेल- गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में ध्रुव जुरेल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया था। जुरेल ने सिर्फ 42 गेंदों का सामना करते हुए 75 रनों की दमदार पारी खेली थी। जुरेल ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने के साथ-साथ पारी को बुनने की काबिलियत भी रखते हैं। नंबर तीन की बल्लेबाजी पोजीशन जुरेल को खूब रास भी आई है।

रवि बिश्नोई: राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाज रवि बिश्नोई ने आखिरी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट निकाले थे। बिश्नोई अपनी घूमती गेंदों के दम पर मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों का सिरदर्द बढ़ा सकते हैं। विकेट निकालने के साथ-साथ बिश्नोई आरआर के घरेलू मैदान पर बीच के ओवर्स में रनों पर लगाम भी लगा सकते हैं। वह 2 मुकाबलों में 5 विकेट के साथ इस सीजन सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं।

जोफ्रा आर्चर: राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अब तक खेले 2 मुकाबलों में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे हैं।

अभय सिंह को एल गौना स्क्वैश ओपन के दूसरे दौर में मिली हार

एल गौना (मिस्त्र), एजेंसी। भारत के अभय सिंह को पीएसए प्लैटिनम स्तर के टूर्नामेंट एल गौना ओपन के दूसरे दौर में मिस्त्र के यूसुफ इब्राहिम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इब्राहिम ने एक बार फिर अपने बाएं कंधे की चोट से जूझते हुए अभय को पांच गेम में 3-2 (68 मिनट में 7-11, 11-9, 9-11, 11-5, 11-8) से हराया। इससे पहले, अभय ने पहले दिन पुरुषों के शुरुआती राउंड में मिस्त्र के वर्ल्ड नंबर 13 अली अबू एलेनिन को 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से हराया था। वहीं, खेल के तीसरे दिन वर्ल्ड नंबर 4 करीम गवाद ने अपने हमवतन मिस्त्र के यूसुफ सोलिमन के साथ 109 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। यह 2013 के बाद से पीसीए स्क्वैश टूर पर गवाद का सबसे लंबा मैच था। 34 साल के गवाद ने अपना संयम बनाए रखा और 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वर्ल्ड नंबर 12 को 5-11, 14-12, 8-11, 11-8, 11-9 के स्कोर से हरा दिया। इस बीच, विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी पॉल कोल ने मलेशिया के नंबर एक खिलाड़ी ईन यो एनजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-7, 11-2, 11-8 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका अगला मुकाबला यूसुफ इब्राहिम से होगा।

विश्व रैंकिंग में नंबर 8 पर मौजूद मोहम्मद जकारिया ने जोएल मैकिन के साथ अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली हार का बदला लेते हुए नंबर 5 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। 18 साल के वर्ल्ड जूनियर चैंपियन ने ब्रिटिश नेशनल चैंपियन मैकिन को 11-6, 11-5, 11-5 से हराया।

महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड नंबर 2 नूर एलशेरबिनी शानदार फॉर्म में दिखीं। उन्होंने मेलिसा अल्वेस को हराकर आसानी से क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 8 बार की वर्ल्ड चैंपियन ने मैच की शुरुआत से लेकर आखिरी पॉइंट तक सटीक और शानदार प्रदर्शन किया और 11-3 के स्कोर के साथ आसानी से अंतिम आठ में प्रवेश किया। एलशेरबिनी ने मेलिसा अल्वेस को 11-3, 11-7 से हराया।

एक अन्य मैच में दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी ओलिविया वीवर ने मिस्त्र की खिलाड़ी फरीदा मोहम्मद के खिलाफ मैच खेला। शुरुआत में फरीदा ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन ओलिविया ने वापसी की और मैच चार गेम में 3-1 से जीत लिया। ओलिविया ने 43 मिनट तक चले मुकाबले में फरीदा को 8-11, 11-8, 11-4, 11-8 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम 11, 14 और 17 अप्रैल को रूसी शहर सोची में रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इन मुकाबलों के लिए 23 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। ये तीनों मैच सोची के मात्सेस्ता फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे। एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोमवार देर रात सोची पहुंची। पिछले महीने वे मेजबान टीम के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलने के लिए यांगून गई थीं। भारतीय टीम ने दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। वहां से लौटने के बाद कोच पामेला कोंटी की टीम ने बेंगलुरु में अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखा था। टीम ने दो अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मुकाबलों में से पहले मैच में म्यांमार पर 2-0 से शानदार जीत हासिल की थी। ??

प्रितिका बर्मन ने दोनों गोल करके अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने हाफ-टाइम से ठीक पहले और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल किया। भारत ने एक संयमित और संतुलित प्रदर्शन किया था, जिसमें अभिस्ता बसनेत और एलिजाबेथ लाकरा की अगुवाई में मजबूत डिफेंस भी देखने को मिला था, जबकि गोलकीपर मुन्नी ने कोई गोल न होने दिया था। सूजौ शहर में होने वाले एशियाई कप में भारत ग्रुप बी में 2 मई को ऑस्ट्रेलिया, 5 मई को जापान और 8 मई को लेबनान का सामना करेगा।

रूस के खिलाफ फ्रेंडली मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-17 महिला टीम

गोलकीपर- मुन्नी, शेल्ना मारिया साजित, तंफासाना देवी कोनजेंगबम।

डिफेंडर- एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकरा, जोयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बडाइक, तानिया देवी तोनामबम।

मिडफील्डर- अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी सेनजाम, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखामायुम, थंडामोनी बास्की।

फॉरवर्ड- अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, जोया, ओलिविया चानू निंगथौजम, पर्ल फर्नांडिस, वैलैना फर्नांडिस।

फिटनेस की वजह से नसीम शाह को लग सकती है फटकार, पीएसएल से हटे तेज गेंदबाज

मुंबई, एजेंसी। नसीम शाह के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर एक राजनेता को लेकर टिप्पणी करने के कारण भारी जुर्माना झेल चुके इस युवा तेज गेंदबाज पर अब फिटनेस को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट ने सोमवार को दावा किया है कि नसीम शाह लंबे समय से फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं और इसी वजह से उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बाकी मुकाबलों से बाहर किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह उनके लिए एक और बड़ा झटका होगा, क्योंकि पहले ही विवाद और अब फिटनेस मामले के कारण उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। यह मामला आगे और तूल पकड़ सकता है, खासकर तब जब टीम मैनेजमेंट और बोर्ड उनकी फिटनेस और प्रोफेशनल रवैये पर सख्त रुख अपना सकते हैं। सूत्रों ने टेलीकॉमएशियाडॉटनेट को बताया, गुरुवार को कराची किंग्स के खिलाफ रावलपिंडी के मैच के दौरान नसीम को साइड स्ट्रेन आ गया था और वह टीम का पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, जिससे उनकी फिटनेस पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

पाकिस्तान के 23 वर्षीय तेज गेंदबाज को टी20 वर्ल्ड कप के निराशाजनक अभियान के आखिरी मैच में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें बांग्लादेश के आगामी दौरे से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, नसीम की फिटनेस और व्यवहार दोनों ही सवालों के घेरे में रहे हैं, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी और मेडिकल पैनल नाराज हैं। संभावना है कि उन्हें इन दोनों ही मुद्दों के लिए फटकार लगाई जाएगी और उन्हें मेडिकल पैनल की देखरेख में एक लंबा रिहैब प्रोग्राम पूरा करना होगा।

इस युवा तेज गेंदबाज ने अपने करियर की शुरुआत कुछ शानदार प्रदर्शनों के साथ की थी, उन्होंने 2020 में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी और टी20 विश्व कप 2022 में भी उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा था। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट ने सूत्रों के हवाले से कहा, नसीम के करियर की रफ्तार उनके मैदान के बाहर के व्यवहार, और विज्ञापनों तथा पॉडकास्ट पर उनके अत्यधिक ध्यान देने की वजह से धीमी पड़ गई है, जिससे उनका करियर पटरी से उतर गया है। फिटनेस की समस्याओं के कारण वह 2023 का वनडे वर्ल्ड कप भी नहीं खेल पाए थे, जो उनके करियर पर एक दाग की तरह हैं। नसीम अगले कुछ दिनों में डॉ. जावेद मुगल की अध्यक्षता वाले मेडिकल पैनल के सामने पेश होंगे, क्योंकि चयन समिति भी उनकी बार-बार होने वाली फिटनेस की समस्याओं से खुश नहीं है।

पिछले महीने, नसीम पर पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया, जो करीब 72,000 यूएस डॉलर था। इस तेज गेंदबाज ने एक ट्वीट में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की आलोचना की थी। नसीम ने शुरू में कहा कि उनका अकाउंट हैक हो गया था, जिसे पीसीबी ने स्वीकार नहीं किया। दो दिन बाद, पीसीबी ने जुर्माना लगाने से पहले उन्हें एक कारण बताओ नोटिस भेजा।

आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले 6 अंपायर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से हो गया है। आइए, आपको उन 5 अंपायर्स के नाम बताते हैं, जिन्होंने इस लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग की है। अनिल चौधरी- आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग करने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से अनिल चौधरी के नाम है। भारतीय मूल के अंपायर अनिल ने इस लीग में अब तक कुल 131 मुकाबलों में अंपायरिंग की है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में साल 2012 से अंपायरिंग कर रहे हैं। सुंदरम रवि- आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर्स की लिस्ट में सुंदरम रवि भी संयुक्त रूप से नंबर एक पर काबिज हैं। सुंदरम ने इस लीग के इतिहास में कुल 131 मुकाबलों में अंपायरिंग की है। उन्होंने साल 2009 में पहली बार आईपीएल में अंपायरिंग की थी, जबकि उनका आखिरी मुकाबला साल 2021 में रहा था।

नितिन मेननः इंडियन प्रीमियर के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग करने के मामले में दूसरे नंबर पर नितिन मेनन का नाम है। मेनन बतौर अंपायर इस लीग में पहली बार साल 2016 में नजर आए थे। वह अभी तक कुल 113 आईपीएल मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं।

कुमार धर्मसेनाः श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कुमार धर्मसेना आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर्स की सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। वह इस लीग में अब तक कुल 100 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं। धर्मसेना ने आईपीएल में पहली बार अंपायरिंग साल 2009 में की थी।

चेट्टीथोडी शमशुद्दीनः आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने के मामले में चेट्टीथोडी शमशुद्दीन चौथे नंबर पर काबिज हैं। वह इस लीग में साल 2012 से अंपायरिंग कर रहे हैं और अब तक कुल 89 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं।

क्रिस गैफनीः न्यूजीलैंड के क्रिस गैफनी आईपीएल में अब तक कुल 83 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं।

अच्छी बात है कि राजनीति में महिलाओं को स्वीकार करने की तैयारी है : अंजू बॉबी

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबी कूद की पूर्व खिलाड़ी और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अंजू बॉबी जॉर्ज ने महिला आरक्षण बिल के लिए नए सिरे से हो रही कोशिश का स्वागत किया है। उन्होंने इसे नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। इसके साथ ही खेल जगत के लिए इसके संभावित फायदों पर भी चर्चा की। अंजू बॉबी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब केंद्र सरकार ने संसद के मौजूदा बजट सत्र को आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। इसका मकसद 2029 के आम चुनाव से लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया को तेज करना है। इस घटनाक्रम पर बात करते हुए अंजू ने जोर देकर कहा कि यह कदम महिलाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के अनुरूप है।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने आईएएनएस से कहा, यह अच्छी बात है कि महिलाओं को भी आरक्षण मिल रहा है। हम हमेशा महिला सशक्तीकरण की बात करते हैं, लेकिन यह अच्छी बात है कि राजनीति में भी वे महिलाओं को स्वीकार करने को तैयार हैं। कम से कम 33 फीसदी तो जरूर।

उन्होंने यह भी बताया कि खेल समेत अलग-अलग क्षेत्रों से ज्यादा लोगों के आने से नीति-निर्माताओं और जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों के बीच की खाई को पाटने में मदद मिल सकती है। उचित प्रतिनिधित्व के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में महिलाओं की मजबूत मौजूदगी से यह सुनिश्चित होगा कि उनकी चिंताओं को ज्यादा असरदार तरीके से सुना जाए।

उन्होंने कहा, अगर कोई खेल जगत से आकर हमारा प्रतिनिधित्व करता है, तो हमारे लिए अधिकारियों से जुड़ना आसान हो जाता है। और वे खेल जगत के लिए भी कुछ अच्छा कर सकते हैं। वे ही तो नीति-निर्माता होते हैं। इसी कारण अगर हमारा प्रतिनिधित्व उचित संख्या में होगा, तो हमारी आवाज भी सुनी जाएगी।

सब-जूनियर विमेंस नेशनल हॉकी: छठे दिन चंडीगढ़, कर्नाटक, मिजोरम, हरियाणा, ओडिशा ने जीते मुकाबले

रांची, एजेंसी। 16वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर विमेंस नेशनल चैंपियनशिप 2026 के छठे दिन, डिवीजन बी में दादरा नगर हवेली और दमन दीव, चंडीगढ़ और कर्नाटक की टीमों ने जीत हासिल की, जबकि डिवीजन ए में मिजोरम, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड की टीमों ने अपने-अपने मैच जीते। सोमवार को दिन के पहले मैच में, दादरा नगर हवेली और दमन दीव हॉकी ने अपने पूल ए, डिवीजन बी के मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 1-0 से हराया। विजेता टीम के लिए तीसरे क्वार्टर में अनुष्का गुप्ता (41) ने विजयी गोल दागा। दिन के दूसरे मैच में, हॉकी चंडीगढ़ ने अपने पूल बी, डिवीजन बी के मुकाबले में हॉकी हिमाचल को 4-1 से मात दी। अनु (7, 14, 52) ने हैट्रिक लगाई, जबकि रानी राधा (42) ने भी हॉकी चंडीगढ़ के लिए एक गोल का योगदान दिया। हॉकी हिमाचल के लिए एकमात्र गोल खुशविंदर गिल (44) ने दागा।

दिन के तीसरे मुकाबले में, हॉकी कर्नाटक ने पूल बी, डिवीजन बी के मैच में हॉकी गुजरात पर 6-1 से शानदार जीत दर्ज की। ??हॉकी कर्नाटक के लिए गोल करने वालों में केपी सिंचना (20, 52), एमएम थानिया (2), एसएम कुसुमांजलि (19), प्रीति नीलारेड्डी (22) और हुग्गेन्नवर बसम्मा शिवप्पा (26) शामिल थीं, जबकि हॉकी गुजरात के लिए पार्वतीबेन गामर (31) ने एक गोल किया।

पूल डी, डिवीजन ए में हॉकी मिजोरम ने छत्तीसगढ़ हॉकी पर 2-1 से जीत हासिल की। ??जीतने वाली टीम के लिए के. वनलालपेकी (14, 41) ने दो महत्वपूर्ण गोल किए, जबकि छत्तीसगढ़ हॉकी की तरफ से एकमात्र गोल मनप्रीत कौर (27) ने किया। हॉकी हरियाणा ने अपने पूल सी, डिवीजन ए के मुकाबले में मणिपुर हॉकी को 4-2 से शिकस्त दी। हॉकी हरियाणा के लिए राधिका (12), दीया (18), विशाखा (42) और अंतिका (44) ने गोल किए, जबकि मणिपुर हॉकी की तरफ से टोंगब्रम रीनू देवी (5) और कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (6) ने गोल दागे।

डिवीजन ए के पूल बी में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हॉकी आंध्र प्रदेश पर 4-0 से रौंदा। स्वीटी कुजूर (7), प्रिंसेस प्रिया एक्का (32), दीपिका बागे (49) और अर्चना कुजूर (59) इस मैच की गोल-स्कोरर रहीं।

दिन के आखिरी मैच में, पूल ए, डिवीजन ए में, हॉकी झारखंड ने हॉकी महाराष्ट्र पर 6-0 से जीत हासिल की। ??मेजबान टीम के लिए सुष्मिता गुरिया (14), संदीपा कुमारी (22), श्रुति कुमारी (27), पुष्पा मांझी (36), सानिया तिर्की (40) और प्रिटी बिलुंग (52) ने गोल किए।

उप मुख्यमंत्री ने 5.36 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कबीरधाम जिले में आधारभूत संरचना को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बिलासपुर मार्ग से दौजरी होते हुए नाऊडिह तक 4.20 किलोमीटर लंबाई के महत्वपूर्ण मार्ग के मजबूतीकरण एवं निर्माण कार्य का आज शुभारंभ किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम नाऊडिह में 5 करोड़ 36 लाख 58 हजार रुपए की लागत से बनने वाले इस सड़क, पुल पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की। छत्तीसगढ़ सरकार गांवों के विकास के लिए कर रही कार्यङ्क उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा यह मार्ग क्षेत्र के किसानों की महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में जाना जाता है, जो मुख्य जिला मार्ग रबेली - प्रतापपुर को राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-30 से सीधे जोड़ते हुए आवागमन की मुख्य धुरी का कार्य करता है। इस मार्ग से किसानों को भोरमदेव शक्कर कारखाना तक पहुंचने में अब बड़ी सुविधा मिलेगी। लंबे समय से जर्जर स्थिति में होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे अब दूर करने की दिशा में ठोस पहल की गई है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने किसानों को ऋण पुस्तिका का वितरण किया। उन्होंने खेल मैदान के निर्माण के लिए घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, आवास, किसान हित और महिला सशक्तिकरण से जुड़े अनेक कार्य तेजी से धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे गांवों की तस्वीर बदल रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित के संकल्प को लेकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के खातों में हर माह 1 हजार की राशि डाली जा रही है। अब तक 25 किस्तों के माध्यम से प्रत्येक महिला के खाते में 25 हजार की राशि पहुंच चुकी है, जिससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति सशक्त हो रही है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के बाद सबसे पहला बड़ा निर्णय प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृति का लिया गया। एक साथ 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही आवास प्लस का सर्वे भी पूरा हो चुका है और पात्र हितग्राहियों को आगे भी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

कसनिया में 33/11 केवी नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र प्रारंभ

मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कटघोरा के कसनिया में नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेंद्र का आज विधिवत लोकार्पण किया गया। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम, सार्वजनिक उपक्रम तथा आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने उपकेंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर सहित वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह उपकेंद्र 1 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया गया है तथा इसकी स्थापित क्षमता 3.15 एमवीए है। उपकेंद्र के प्रारंभ होने से कटघोरा, कापूबहरा, सुतर्रा, मोहनपुर, अमरपुर, घूँचापुर, दादर, लखनपुर, राल सहित कटघोरा नगर के 4 वार्डों के लगभग 5,000 से अधिक उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण एवं स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

पूर्व में एकमात्र सबस्टेशन पर बढ़ते लोड के कारण बार-बार होने वाली ओवरलोडिंग एवं तकनीकी बाधाओं से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। नए उपकेंद्र से न केवल विद्युत आपूर्ति में निरंतरता रहेगी बल्कि तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण भी संभव हो सकेगा। मुख्य अतिथि मंत्री लखन लाल देवांगन ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपकेंद्र कटघोरा क्षेत्र के विकास में एक बड़ी उपलब्धि है।

ट्रैफिक का दबाव कम करने और तेज यातायात के लिए बनाई जाएंगी 9 बायपास सड़कें

रायगढ़ जिले में तीन, धमतरी और बलौदाबाजार में बनेंगे दो-दो बायपास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम करने तथा तेज व सुव्यवस्थित यातायात के लिए लोक निर्माण विभाग ने हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में नौ बायपास सड़कों के लिए कुल 448 करोड़ 13 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने स्थानीय लोगों की मांगों व जरूरतों को देखते हुए इन बायपास सड़कों के लिए प्राथमिकता से राशि मंजूर करने के निर्देश दिए थे। लोक निर्माण विभाग द्वारा रायगढ़ जिले में तमनार बायपास मार्ग के लिए 152 करोड़ 17 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से 6 किमी बायपास सड़क का निर्माण किया जाएगा। विभाग ने रायगढ़ शहर में रिंग रोड (बायपास मार्ग) के लिए 70 करोड़ 47 लाख रुपए मंजूर किए हैं। खरसिया के बायपास क्रमांक-3 कबीर चौक से डभरा रोड तक 2 किमी सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए भी 7 करोड़ 22 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

विभाग ने धमतरी जिले में 4 किमी लंबाई के भखारा बायपास के लिए 14 करोड़ 94 लाख रुपए तथा 1.50 किमी लंबाई के नारी बायपास मार्ग के लिए 7 करोड़ 97 लाख रुपए मंजूर किए हैं। बलौदाबाजार में लटुवा, पनगांव होते हुए 15 किमी लंबे बलौदाबाजार बायपास सड़क के लिए 88 करोड़ 68 लाख रुपए एवं 7 किमी लंबे रिसदा बायपास मार्ग के लिए 20 करोड़ 99 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्वस्थ बेटियां, सक्षम बेटियां

छत्तीसगढ़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध प्रारंभ किए गए राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान को छत्तीसगढ़ की साय सरकार प्रदेशभर में प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर रही है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत की गई। कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर पहुंचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने टीकाकरण के लिए आई बेटियों से मुलाकात कर उनसे आत्मीय बातचीत की और उन्हें एचपीवी वैक्सीन के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए इस टीके को लगाने के लिए प्रेरित किया। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि यह टीकाकरण भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी उपाय है और सभी पात्र बालिकाओं को इसका लाभ अवश्य लेना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों एवं स्टाफ से चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता, सतर्कता और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किशोरियों तक इसका लाभ पहुंच सके। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में उपचाररत अन्य मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का उद्देश्य किशोरियों को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से सुरक्षित करना है, जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण बनता है। यह टीका विशेष रूप से 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है और इसे निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार स्वस्थ नारी, सशक्त राष्ट्र के संकल्प के साथ महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। एचपीवी टीकाकरण अभियान इसी सोच का सशक्त उदाहरण है, जो प्रदेश को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल साबित होगा।

राज्यपाल डेका ने श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट को सौंपी एबुलेंस की चाबी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने आज गायत्री नगर रायपुर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में मंदिर ट्रस्ट को एम्बुलेंस प्रदान किए। उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदत्त 6 लाख 80 हजार की लागत के एम्बुलेंस की चाबी सौंपी और हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

इस वाहन का उपयोग श्री जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट में किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

नक्सलवाद का अंधेरा छोड़ शर्मिला ने थामी स्वावलंबन की सुई

दंतेवाड़ा में लिख रही हैं बदलाव की इबारत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर संभाग के नक्सल मुक्त घोषित होने के बाद अब हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौटने वाले युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखने लगा है। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बीजापुर की शर्मिला पोयामी बनकर उभरी हैं, जिन्होंने कभी हाथों में बंदूक थामी थी, लेकिन आज वे लाइवलीहुड कॉलेज में सुई-धागे से अपने और अपने परिवार के भविष्य के सपने बुन रही हैं।

हिंसा के रास्ते से मुख्यधारा का सफर: बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक की रहने वाली 19 वर्षीय शर्मिला कभी भैरमगढ़ एरिया कमेटी की सक्रिय सदस्य थीं। गुरिल्ला युद्ध और हथियारों का प्रशिक्षण लेने वाली शर्मिला को जल्द ही अहसास हो गया कि प्रगति का मार्ग बंदूक से नहीं, बल्कि शांति और शिक्षा से निकलता है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने 07 फरवरी 2026 को आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया।

कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर: राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत शर्मिला को दंतेवाड़ा के लाइवलीहुड कॉलेज में प्रवेश दिलाया गया। बीते 45 दिनों से वे यहाँ सिलाई का गहन प्रशिक्षण ले रही हैं। अब वे आधुनिक परिधान जैसे सूट और ब्लाउज सिलने की बारीकियां सीख रही हैं। प्रशिक्षण के बाद उनका लक्ष्य अपने गाँव लौटकर सिलाई केंद्र खोलना और अपनी 4 एकड़ पुश्तैनी जमीन पर आधुनिक खेती (टमाटर, मूली व भाजियाँ) कर परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना है।

सुविधाओं ने बदला नजरिया: शर्मिला ने बताया कि मुख्यधारा में लौटने के बाद उन्हें पहली बार शासन की ओर से इतनी बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं, पौष्टिक आहाररू कॉलेज में नियमित रूप से अंडा, मछली, चिकन और हरी सब्जियां दी जा रही हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य में बड़ा सुधार हुआ है। सक्रिय सहभागितारू बढ़ते आत्मविश्वास का ही परिणाम है कि उन्होंने हाल ही में जगदलपुर में आयोजित मैराथन दौड़ में भी हिस्सा लिया। पारिवारिक प्रेरणा- शर्मिला की दीदी मुड़ो पोयामी (पूर्व नक्सल सदस्य) भी मुख्यधारा में लौटकर आत्मनिर्भरता की राह पर हैं।

गाँव के विकास की उम्मीद: शिक्षा और कौशल की ताकत को समझने के बाद शर्मिला अब अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के प्रति भी सजग हैं। वे चाहती हैं कि उनके गाँव की कच्ची सड़कों और पेयजल की समस्याओं का जल्द निराकरण हो ताकि विकास की यह लहर सुदूर अंचलों तक पहुँचे। शर्मिला पोयामी का यह संघर्षपूर्ण सफर हिंसा से विकास की ओर बढ़ते नए छत्तीसगढ़ की एक सशक्त पहचान बन गया है।

आत्मसमर्पण से पुनर्वास तक-पवन कुमार ने हिंसा का रास्ता छोड़ जीवन की नई शुरुआत की

विशेष आवास परियोजना से मिला पक्का आशियाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में सुशासन सरकार की सरकार ने माओवादी आत्मसमर्पण, पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति-2025 हिंसा छोड़ मुख्यधारा से जुड़ने वाले नक्सलियों को नई जिंदगी दे रही है। छत्तीसगढ सरकार ने माओवादी आत्मसमर्पितों को 5 लाख तक की सहायता, कौशल प्रशिक्षण, और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर नक्सल-मुक्त बस्तर के सपने को साकार कर रही है। कोण्डागांव जिले के फरसगांव के सुदेर पंचायत चिंगनार के पवन कुमार को पुनर्वास नीति के तहत पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

कोण्डागांव जिले के विकासखण्ड फरसगांव के दूरस्थ ग्राम पंचायत चिंगनार, जो मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, कभी इस क्षेत्र में माओवाद के प्रभाव के कारण भय और असुरक्षा का माहौल था। अब इन क्षेत्रों में राज्य शासन की पुनर्वास नीति के तहत शांति और विकास स्थापित हो रहा हैं। इसी गांव में रहने वाले पवन कुमार को पुनर्वास नीति के तहत पक्का आवास मिलने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। पवन कुमार पूर्व में माओवादी संगठन से जुड़े हुए थे। उस दौर में उनका जीवन असुरक्षित और कठिनाइयों से भरा हुआ था। उनका परिवार जंगल किनारे एक झोपड़ी और जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर था, जहां न तो पर्याप्त सुविधाएं थीं और न ही सुरक्षित भविष्य की कोई उम्मीद।

समय के साथ उन्होंने यह महसूस किया कि हिंसा का मार्ग केवल विनाश की ओर ले जाता है। शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए माओवादी संगठन से नाता तोड़ लिया और समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। यह निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की बड़ी पहल

बिजली बिल समाधान योजना से धमतरी के हजारों परिवारों को मिली आर्थिक आजादी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। धमतरी जिले में इस योजना का व्यापक असर देखने को मिल रहा है, जहाँ हजारों उपभोक्ता वर्षों पुराने बिजली बिल के बोझ से मुक्त होकर विकास की मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

संकट में सहारा- विशाल परिवार की बदली किस्मत: धमतरी निवासी बी. एस. विशाल के परिवार के लिए बिजली का बकाया बिल एक मानसिक तनाव बन चुका था। सीमित आय और पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते बिल की राशि बढ़ती गई, जिससे बिजली कटने का डर हमेशा बना रहता था। जब शासन की समाधान योजना की घोषणा हुई, तो उनके पुत्र डेनियल विशाल ने विभागीय शिविर में संपर्क किया।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 की प्रक्रिया इतनी सरल थी कि उन्हें जल्द ही योजना का लाभ मिला। डेनियल ने बताया कि बकाया मूल राशि में भारी छूट और सरचार्ज की शत-प्रतिशत माफी ने हमारे परिवार को नई शुरुआत करने का मौका दिया है। अब हम नियमित रूप से बिल चुकाने की स्थिति में हैं। यह योजना हम जैसे आम लोगों के लिए मुख्यमंत्री का बड़ा उपहार है।

धमतरी जिले में योजना की शानदार सफलता: विद्युत विभाग द्वारा जारी ताजा आँकड़ों के अनुसार, जिले में योजना को लेकर जबरदस्त उत्साह है। इस योजना के लिए अब तक 4,652 पात्र उपभोक्ताओं की पहचान की जा चुकी है। इसमें से 4,115 उपभोक्ताओं ने ऑफलाइन माध्यम से आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आवेदन के बाद 537 परिवारों को पहले ही बकाया मुक्त कर प्रत्यक्ष लाभ दिया जा चुका है।

किसे, कितना और कैसे मिलेगा लाभ: योजना की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसका फायदा पहुँचे। गरीबी रेखा से नीचे के उपभोक्ता को बकाया मूल राशि पर अधिकतम 75 प्रतिशत तक की भारी छूट दिया जा रहा है। इसी तरह घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता को मूल बकाया राशि में 50 प्रतिशत तक की राहत दिया जा रहा है। सभी पात्र श्रेणियों के लिए लेट पेमेंट सरचार्ज (अधिभार) को 100 प्रतिशत माफ कर दिया गया है। उपभोक्ता को केवल 10 प्रतिशत प्रारंभिक राशि जमा करनी होगी, जिसके बाद शेष राशि को वह अपनी सुविधा अनुसार निर्धारित किस्तों में जमा कर सकता है।

30 जून तक सुनहरा अवसर: यह योजना 12 मार्च 2026 से शुरू होकर 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगी। विद्युत विभाग द्वारा गांव-गांव और वार्डों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में छूट न जाए। जनसंपर्क माध्यमों और स्थानीय मुनादी के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ बनेगा मखाना हब:

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने लिंगाडीह में मखाना सेंटर का किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ मखाना हब बनेगा। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम आज रायपुर जिले अंतर्गत आरंग के लिंगाडीह में मखाना सेंटर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रायपुर, धमतरी, गरियाबंद और बालोद क्षेत्र सहित प्रदेश में मखाना की खेती की संभावना अत्यधिक है। उन्होंने मखाना उत्पादन क्षेत्रों व जिलों को सर्किट के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने मखाना खेती के विस्तार की संभावनाओं की जानकारी ली और कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को मखाना हब के रूप में विकसित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि आरंग क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगभग 50 से 60 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती की जा रही है, जहां ग्रेड-6 गुणवत्ता का मखाना उत्पादन हो रहा है। इसकी बाजार में अच्छी मांग होने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है।

मंत्री नेताम ने बताया कि मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रायपुर, धमतरी, गरियाबंद एवं बालोद जिलों को जोड़ते हुए मखाना सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की समेकित व्यवस्था तैयार की जाएगी, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिल सके। दौरे के दौरान मंत्री ने मखाना सेंटर में तैयार उत्पादों का अवलोकन किया तथा स्वयं मखाना चखकर उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, खाद्य प्रसंस्करण एवं मिलेट्स और पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर गठित मखाना बोर्ड की योजनाओं से राज्य के किसानों को जोड़ते हुए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से मखाना किसानों के लिए आय का नया विकल्प बनेगी और छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख मखाना उत्पादक राज्यों में शामिल होगा।

कृषि मंत्री नेताम ने आज रायपुर जिले के खरोरा क्षेत्र अंतर्गत मधेपुरा एवं बुढ़ेरा ग्राम के दौरे पर भी पहुंचे। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों का अवलोकन कर आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उत्पादन एवं किसानों की आय बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को नवाचार आधारित कृषि मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

टिशू कल्चर लैब और बीज विकास केंद्र से उन्नत कृषि को बढ़ावा: मंत्री ने टिशू कल्चर लैब का अवलोकन कर केला, सागौन, बांस एवं अन्य पौधों के उन्नत उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम के कॉमन फैसिलिटी सेंटर में पशु आहार, पोल्ट्री फीड, मत्स्य आहार एवं मिलेट्स आधारित उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने मूल्य संवर्धन एवं कृषि आधारित उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

● प्रसंस्करण से बढ़ेगी आय, बाजार में उच्च मांग: मंत्री नेताम ने कहा कि मखाना उत्पादन में प्रसंस्करण की महत्वपूर्ण भूमिका है। कच्चे बीज के बजाय प्रोसेस कर तैयार मखाना बेचने से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। एक किलोग्राम बीज से 200 से 250 ग्राम पॉप तैयार होता है, जिसकी बाजार कीमत 700 से 1000 रुपये प्रति किलोग्राम तक है।

● प्रशिक्षण, महिला समूहों की भागीदारी और भविष्य की कार्ययोजना: मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य में महिला स्व-सहायता समूहों एवं प्रगतिशील किसानों को मखाना उत्पादन से जोड़ा जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल से राज्य को राष्ट्रीय मखाना बोर्ड से जोड़ने के बाद इस क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हुई हैं। वर्ष 2026-27 के लिए 2 करोड़ रुपये की कार्ययोजना प्रस्तावित है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा